कोटद्वार, शनिवार
2 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 13 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 15 जून से शुरू होंगी उड़ानें

शुरूआत में 17 फ्लाइट्स उड़ेंगी

नोएडा (सं.)। इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने शुक्रवार को आधिकारिक घोषणा करते हुए जानकारी दी है कि यहां से 15 जून 2026 से व्यावसायिक विमान सेवाएं शुरू होंगी। पहली कमर्शियल फ्लाइट इंडिगो द्वारा संचालित की जाएगी। इसके तुरंत बाद अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगे। यही वजह है कि एयरपोर्ट प्रबंधन जून के मध्य तक उड़ान शुरू होने की बात कह रहा है। यीडा व नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) के सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कॉमर्शियल सेवाएं शुरू हो सकें। इसके लिए हर संभव प्रयास यापल और नायल के स्तर पर किया जा रहा है। एयरपोर्ट से उड़ान शुरू करने के लिए वर्तमान में करीब 70 फ्लाइट के प्रस्ताव पूर्व में मिल चुके हैं। इससे कमोबेश सभी प्रमुख शहरों के लिए उड़ान यहां से शुरू होनी हैं। इंडिगो के अलावा अकासा एयर, एयर इंडिया एक्सप्रेसवे के भी प्रस्ताव इन उड़ान के लिए हैं। जल्दी ही उड़ान यहां से शुरू हो सकेंगीं।

एयरलाइंस कंपनियों ने शुरूआत में एयरपोर्ट से 17 फ्लाइट्स शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। एप्रूवल के बाद अब टिकट बुकिंग सेवा शुरू करने की प्रक्रिया को भी अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए। 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों उद्घाटन हो चुका है। यहां घरेलू और कार्गो टर्मिनल बनकर तैयार है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का काम जारी है। प्रथम चरण में एयरपोर्ट को 1334 हेक्टेयर में पूरा किया गया है। इसमें 3900 मीटर लंबा पहला रनवे, यात्री टर्मिनल, एटीसी, कार्गो हब शामिल है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं देने के साथ सरकार की आय का बड़ा स्रोत बनने जा रहा है।
नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) को प्रति यात्री लगभग 496 रुपये की आय होगी। अनुमान है कि अगले 30 वर्षों में इस एयरपोर्ट से कुल कमाई एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। एयरपोर्ट परियोजना के चलते आसपास के क्षेत्रों में जमीन की मांग तेजी से बढ़ी है। यीडा के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ यमुना सिटी क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ है। केवल जमीन लेकर काम न करने वाली इकाइयों पर सख्ती के अप्रत्याशित सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस यह एयरपोर्ट वर्ष 2060-61 तक एक लाख करोड़ रुपये की आय वाला केंद्र बनेगा।

साजिश का भंडाफोड़ : पकड़ी गई 1745 करोड़ रुपये की ड्रग्स

349 किलो हाई ग्रेड कोकीन जब्त

मुम्बई (एजेंसी)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग रिंग का भंडाफोड़ किया है। एनसीबी ने 349 किलो कोकीन जब्त की है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत 1745 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इसके लिए एनसीबी की तारीफ की है और इसे बड़ी सफलता बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। गृह मंत्री ने लिखा, 'हम नशे के गिरोह को बेरहमी से कुचलने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। नाकोटिक्स ब्यूरो, मुंबई ने 1745 करोड़ रुपये की 349 किलो कोकीन जब्त करके एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह पर नकेल कस दी है। यह जमीनी स्तर से शीर्ष स्तर तक की रणनीति का शानदार उदाहरण है, जहां एजेंसी ने एक छोटी खेप का पता लगाकर एक विशाल नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। इस ऐतिहासिक सफलता के लिए एनसीबी की टीम को बधाई।'

यूपी में बड़ा हादसा: 60 यात्रियों से भरी बस पलटी

शाहजहांपुर (एजेंसी)। यूपी के हरपालपुर से 60 यात्रियों को बैठाकर फरुर्खाबाद आ रही प्राइवेट बस शाहजहांपुर के अल्लाहगंज थाना क्षेत्र में गांव रघुनाथपुर के पास शुक्रवार को ओवरटेक करने के दौरान पलट गई। इससे 25 यात्री घायल हो गए। इनमें 11 को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य वहीं उपचार हुआ। बस में सवार अधिकांश यात्री बुद्ध पूर्णिमा के चलते पांचाल घाट पर गंगा स्नान करने जा रहे थे। हरदोई जनपद के हरपालपुर से सुबह प्राइवेट बस में करीब 60 यात्री सवार हुए। चालक बस को तेजी भगा रहा था। कुछ यात्रियों ने उससे सही से बस चलाने के लिए भी कहा। पर उसने एक नहीं सुनी। इस बीच गांव रघुनाथपुर के पास आगे चल रहे वाहन को ओवर टेक करने के प्रयास में बस पलट गई। इससे चीख पुकार मच गई। पुलिस व आसपास के ग्रामीणों ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसमें 25 यात्री घायल हो गए। एंबुलेंस से 11 घायल यात्रियों को लोहिया अस्पताल भेजा गया है। इनमें से नौ को भर्ती कर लिया गया।

भारत की कूटनीति में व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन पर फोकस

प्रधानमंत्री ने 3टी का दिया नारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 11वें हेड्स ऑफ मिशन्स (HOM) सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सम्मेलन का बेहतरीन क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की कूटनीति में व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन यानी '3टी' की बढ़ती भूमिका को जिस स्पष्टता से रेखांकित किया, वह बेहद महत्वपूर्ण है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि सम्मेलन में नेबरहुड फर्स्ट नीति, प्रवासी भारतीयों के साथ गहरे संबंध और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच डी-रिस्किंग यानी जोखिम कम करने की रणनीति पर भी विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार, व्यापार और टेक्नोलॉजी जगत के विशेषज्ञों के विचारों से सम्मेलन को व्यापक दृष्टिकोण मिला।प्रधानमंत्री

मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित इस सम्मेलन में भारत की विदेश नीति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि व्यापार, टेक्नोलॉजी और रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत कर भारत की वैश्विक भागीदारी को और सशक्त बनाने की जरूरत है, साथ ही प्रवासी भारतीयों से संबंधों को और गहरा करने पर भी बल दिया। यह 11वां मिशन प्रमुख सम्मेलन 28 से 30 अप्रैल तक नई दिल्ली के नेशनल एग्रीकल्चरल साइंस कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय 2047 के लिए भारतीय कूटनीति में सुधार रखा गया, जिसका उद्देश्य विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भविष्य की रणनीति तैयार करना था। सम्मेलन के दौरान भारत के राजदूतों, उच्चायुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों ने तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की कूटनीतिक पहुंच को और प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया। विभिन्न सत्रों में उभरती प्रौद्योगिकियों, भू-राजनीतिक बदलावों, व्यापार-तकनीक-पर्यटन (3टी) और भारत की वैश्विक छवि को मजबूत करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मिशन प्रमुखों को भविष्य के लिए तैयार कूटनीति, 3टी के विस्तार और भारत की वैश्विक कहानी को और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने पर मार्गदर्शन दिया। साथ ही उन्होंने वरिष्ठ और युवा राजनयिकों के विचार भी सुने और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले, 29 अप्रैल को सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए जयशंकर ने कहा था कि पिछले दशक में भारत की वैश्विक भागीदारी में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है।

सीएम रेखा गुप्ता ने बांटी सुरक्षा व शिक्षा किटं

35,000 श्रमिकों को मिलेगा यह लाभ

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रमिकों को बधाई दी और दिल्ली के कर्मयोगियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर 1,000 निर्माण श्रमिकों को सुरक्षा किट तथा 100 श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा किट प्रदान की। 35,000 श्रमिकों को प्रशिक्षित करने की कौशल विकास पहल भी शुरू हुई। सरकार ने निर्माण श्रमिकों का पंजीकरण और नवीनीकरण शुल्क माफ किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य भूमिका निभाने वाले सभी श्रमिक भाइयों-बहनों को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। शुक्रवार को श्रमिक सम्मान समारोह में सम्मिलित होकर कर्मयोगी साथियों को नमन करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में 1000 निर्माण श्रमिकों को सुरक्षा किट और श्रमिक परिवारों के 100 बच्चों को शिक्षा किट प्रदान की गई, साथ ही हर वर्ष 35,000 श्रमिकों को प्रशिक्षित करने वाले बड़े स्तर के कौशल विकास अभियान का शुभारंभ किया गया।प्रधानमंत्री ने श्रमयोगियों के सम्मान को शासन की सोच और नीति के केंद्र में स्थापित किया है। उनके मार्गदर्शन में विकसित भारत का संकल्प श्रमिक सशक्तिकरण से ही आगे बढ़ता है, जहां हर श्रमिक सुरक्षित, सम्मानित और अवसरों से जुड़ा हो।' सीएम ने कहा, हमारी सरकार द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए पंजीकरण और नवीनीकरण शुल्क को पूर्णतः माफ किया जा रहा है।

केंद्र ने नागरिकता नियमों में बदलाव किए: अब ऑनलाइन होगा आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को सिटिजनशिप (संशोधन) नियम, 2026 लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन करना होगा। साथ ही फिजिकल कार्ड के साथ e-OCI दस्तावेज की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया ज्यादा सरल और डिजिटल हो जाएगी। नए नियमों में साफ किया गया है कि कोई नाबालिग एक साथ भारतीय और विदेशी पासपोर्ट नहीं रख सकता। यह प्रावधान दोहरी नागरिकता से जुड़े मामलों में स्पष्टता लाने के लिए जोड़ा गया है। सरकार

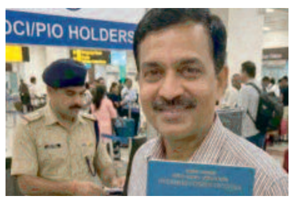

ने स्पष्ट किया है कि OCI स्टेटस एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। यदि कोई धारक भारतीय कानूनों का उल्लंघन करता है, तो उसका डउक रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है। OCI कार्ड धारकों को भारत में आजीवन मल्टीपल एंट्री वीजा, आर्थिक और शैक्षणिक सुविधाएं मिलती हैं। हालांकि सरकार ने दोहराया है कि डउक धारकों को वोटिंग या संवैधानिक पदों जैसे राजनीतिक अधिकार नहीं मिलते। सरकार ने पहले ही नियम सख्त करते हुए कहा था कि यदि किसी डउक धारक को 2 साल या उससे अधिक की सजा होती है या 7 साल या उससे ज्यादा सजा वाले अपराध में चार्जशीट होती है, तो उसका रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है। OCI योजना 2005 में नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन के जरिए शुरू की गई थी। इसके तहत भारतीय मूल के लोगों को OCI के रूप में रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी जाती है। हालांकि पाकिस्तान या बांग्लादेश से जुड़े लोगों को इसमें शामिल नहीं किया जाता।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शिमला से दिल्ली रवाना

शिमला (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज (शुक्रवार को) शिमला से दिल्ली लौट गई हैं। उन्होंने अन्नाडेल से दिल्ली से लिए उड़ान भरी। इससे पहले राष्ट्रपति शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण संस्थान (आरट्रैक) पहुंचीं। आरट्रैक में सेना के एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वह दिल्ली लौट गई हैं। इस दौरान हिमाचल के गवर्नर काविंदर गुप्ता, सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रपति पिछले 5 दिनों से शिमला के समीप छराबड़ा स्थित राष्ट्रपति निवास ह्यरिट्रीटह्न में रुकी हुई थी। हिमाचल में उनका अटल टनल रोहतांग, सिस्सू और 30 अप्रैल को एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी पालमपुर का दौरा प्रस्तावित था। मगर वह दोनों जगह खराब मौसम के कारण नहीं जा सकी और उनका दौरा रद्द करना पड़ा। आज भी सुबह के वक्त आसमान में बादल छाए हुए थे। मगर दोपहर 12 बजे मौसम थोड़ा खुल गया था। राष्ट्रपति मुर्मू सुबह करीब 9 बजे छराबड़ा से शिमला के ऑरट्रैक के लिए चली। इस दौरान करीब पौने घंटे तक ट्रैफिक रोक दिया गया। इससे सुबह के वक्त सैकड़ों लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी।

ईरान पर हाइपरसोनिक मिसाइलों से हमला कर सकता है अमेरिका

बचे हुए ईरानी नेता टारगेट पर, सेना ने ट्रम्प को प्लान बताया

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका पहली बार ईरान के खिलाफ हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। फॉक्स न्यूज के मुताबिक एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रम्प के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया कि अगर ट्रम्प दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक ह्यछोटा लेकिन बहुत ताकतवर मला किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान की बची हुई सैन्य ताकत, उसके नेता और अहम ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) को निशाना बनाया जा सकता है। रक्षा मंत्रालय कुछ नए और एडवांस हथियार इस्तेमाल करने पर भी विचार कर रहा है। इनमें डार्क ईगल नाम की हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल है। यह मिसाइल करीब 2,000 मील (करीब 3,200 किलोमीटर) दूर तक निशाना साध सकती है और ईरान के बचे हुए बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चरों को टारगेट कर सकती है। इसके अलावा, B-1B लांसर बॉम्बर विमानों की मौजूदगी भी इलाके में बढ़ाई जा रही है। ये विमान भारी मात्रा में हथियार ले

जाने में सक्षम हैं और हाइपरसोनिक हथियार भी ले जा सकते हैं। इजराइल की सेना ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटों में लेबनान के दक्षिणी हिस्से में 40 जगहों पर हमले किए। सेना का दावा है कि इन जगहों का इस्तेमाल हिजबुल्लाह कर रहा था। यह हमले उस समय हुए जब दोनों तरफ से सीजफायर लागू होने की बात कही जा रही है। इजराइल ने यह भी बताया कि उसके उत्तरी इलाकों में सायरन बजने लगे थे, क्योंकि एक संदिग्ध उड़ने वाली चीज (ड्रोन या हवाई वाहन) देखी गई थी, जिसे बाद में मार गिराया गया। गाजा के लिए मदद लेकर जा रहे जहाजों (फ्लोटिला) को इजराइल ने रोक दिया। इन जहाजों पर मौजूद 100 से ज्यादा एक्टिविस्ट को पकड़कर ग्रीस के क्रेट द्वीप पर ले जाया गया है। फ्रीडम फ्लोटिला के अधिकारियों के अनुसार, कुल 168 लोगों को क्रेट ले जाया गया, जबकि 2 लोग अभी भी इजराइल के अधिकारियों के पास हैं। इजराइल ने अब तक 22 नावों को रोका है। वहीं 47 नावें अभी भी गाजा की तरफ जा रही हैं। ईरान के एक यूनियन नेता के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद अब तक 40 से ज्यादा ईरानी समुद्री कामगारों की मौत हो चुकी है। ईरान के मर्चेंट मरीन यूनियन के प्रमुख समन रेजाई ने बताया कि 28 फरवरी से 1 अप्रैल के बीच कुल 44 लोगों की जान गई और 29 लोग घायल हुए हैं। मारे गए लोगों में 22 आम नाविक (सिविलियन), 16 मछुआरे और 6 बंदरगाह पर काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह जानकारी उनकी यूनियन और सरकारी विभाग से मिली है, लेकिन इसकी पूरी तरह पुष्टि नहीं हो पाई है। मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव की वजह से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो गई है। पहले जहां हर दिन करीब 130 जहाज गुजरते थे, अब सिर्फ 10 से भी कम जहाज जा रहे हैं।

ममता भवानीपुर स्ट्रॉन्ग रूम में 4 घंटे रहीं

कहा- बंगाल पुलिस ईसी के दबाव में काम कर रही, चुनाव आयोग बोला: सभी ईवीएम सुरक्षित

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में TMC ने गुरुवार रात चुनाव अधिकारियों पर बिना सूचना दिए EVM स्ट्रॉन्ग रूम खोलने और वहां संदिग्ध लोग मौजूद होने के आरोप लगाए। इसके बाद CM ममता बनर्जी रात बजे सखावत मेमोरियल स्कूल स्थित EVM स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचीं और करीब 4 घंटे अंदर रहीं। उनके अलावा TMC नेता समर्थकों के साथ खुदीराम अनुशीलन केंद्र के बाहर धरने पर बैठे। इस केंद्र के स्ट्रॉन्ग रूम में EVM रखी हैं। देर रात करीब 12:07 बजे बाहर निकलकर ममता ने कहा, अगर

EVM लूटने और मतगणना में हेरफेर की कोशिश हुई तो हम जान की बाजी लगा देंगे। उन्होंने कहा- बंगाल पुलिस हमारे लिए काम नहीं कर रही है। जब से चुनाव का ऐलान हुआ है तब से राज्य की पुलिस चुनाव आयोग के दबाव में काम कर रही है। रोजाना पुलिस को सस्पेंड करने और केस लगाने को लेकर डराया जा रहा है। पूरा विवाद एक वीडियो के बाद शुरू हुआ था, जिसे TMC ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया है। TMC का दावा है कि वीडियो में चुनाव आयोग के अधिकारी भाजपा के लोगों के साथ बैलट बॉक्स खोलने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने आरोपों से इनकार किया और कहा कि पोस्टल बैलेट की छंटाई हो रही थी। सभी एश्ट सुरक्षित हैं। TMC ने पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा- यह दिन-दहाड़े लोकतंत्र की हत्या है। CCTV फुटेज से यह सामने आया है कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर बिना अधिकृत पार्टी प्रतिनिधियों की मौजूदगी के बैलेट बॉक्स खोल रही है। यह खुला चुनावी घोटाला है, जो चुनाव आयोग की जानकारी और संरक्षण में किया जा रहा है। TMC ने यह फुटेज कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम के पास खुदीराम अनुशीलन केंद्र में बने EVM स्ट्रॉन्ग रूम का खहोने का दावा किया। पार्टी ने कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए EVM से छेड़छाड़ की जा रही है। लेकिन यह बंगाल है। महाराष्ट्र, दिल्ली या बिहार नहीं है। चुनाव आयोग ने मतगणना के दिन ऑब्जर्वर्स के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। हर राउंड की काउंटिंग के दौरान संबंधित ऑब्जर्वर्स को मौके पर स्वयं मौजूद रहना होगा। सिर्फ मौजूद रहना ही नहीं, हर फेज की जांच भी उन्हें खुद करनी होगी।

मुख्यमंत्री ने प्रदान की विकास योजनाओं के लिए 1252 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुम्भ मेला-2027 की तैयारियों के साथ ही विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 1252 करोड़ का अनुमोदन प्रदान किया है। इन निर्णयों से आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने, आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने तथा पेयजल एवं बाढ़ सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं को सशक्त करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने नियोजन विभाग द्वारा स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट के अन्तर्गत स्वीकृत कार्यों यथा ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना में त्रिवेणी घाट पुनरूद्धार हेतु 115 करोड़ तथा हरिद्वार गंगा कॉरिडोर परियोजना के अन्तर्गत नोर्थ हर की पौडी डवलपमेंट हेतु 69.06 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद टिहरी गढ़वाल में टिहरी झील के चारों और रिंग रोड (28.605 किमी.) तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु तहसील टिहरी/मदननेगी के अन्तर्गत अधिग्रहित 18 ग्रामों में अर्जित भूमि के प्रतिकर का भुगतान हेतु 25.13 करोड़ एवं जनपद टिहरी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र प्रतापनगर/टिहरी के अन्तर्गत टिहरी झील के चारों और रिंग रोड निर्माण कार्य (पूर्व निर्मित मोटर मार्ग का चौडीकरण एवं सुधारीकरण) के वन भूमि हस्तान्तरण के एनपीवी भुगतान हेतु 10.94 करोड़ तथा अन्य विभागों के एनपीवी का भुगतान/भूमि अधिग्रहण हेतु प्राप्त कुल मांग 20 करोड़ अर्थात प्राविधानित धनराशि 100 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किश्त में 56.07 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पिथौरागढ़ के विकासखण्ड धारचूला में कैलाश मानसरोवर मार्ग में गब्यांग के चम्फू नाले के पास नवीन डेस्टिनेशन प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सामुदायिक सहभागिता के आधार पर एस्ट्रो टूरिज्म/पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से 08 नग इग्लू डोम हटों के निर्माण हेतु 4.67 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा समग्र शिक्षा के अन्तर्गत संचालित माध्यमिक/प्रारम्भिक विद्यालय/शिक्षक शिक्षा की स्थापना (90 प्रति के.पो) वेतन का भुगतान के अन्तर्गत वेतन भत्तों, चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि के लिए प्राविधानित धनराशि 446 करोड़ तथा उच्च शिक्षा विभागान्तर्गत 21 अशासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत कार्मिकों के वेतन भुगतान हेतु चालू वित्तीय वर्ष में आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि 155.37 करोड़ के सापेक्ष प्रथम छः माह (अप्रैल, 2026 से सितम्बर, 2026) हेतु 77.69 करोड की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद चम्पावत के अन्तर्गत लोहाघाट में सरफेस पार्किंग निर्माण हेतु 39 लाख, थाना टनकपुर में टाईप द्वितीय के 20, टाईप तृतीय के 04 आवासों के निर्माण हेतु 9.43 करोड के सापेक्ष प्रथम किश्त में 3.77 करोड तथा जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र रायपुर के अन्तर्गत लोहे के पुल से सौंग पुल तक बाढ़ सुरक्षा कार्य हेतु 4.22 करोड की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य वित्त पोषित योजना ''विधायक निधि योजनान्तर्गत'' चालू वित्तीय वर्ष के आय-व्ययक में प्रावधानित धनराशि से 70 विधायकगणों को उनके विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए निर्धारित विधायक निधि 5 करोड़ प्रति विधायक की दर से कुल 350 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

सरकार आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : अल्मोड़ा जनपद के डोल स्थित आश्रम में आयोजित श्री कल्याणिका हिमालय देवस्थानम न्यास के श्री पीठम स्थापना महोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 1100 कन्याओं का पूजन कर माँ राजेश्वरी का अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की। डोल आश्रम में आगमन पर मुख्यमंत्री द्वारा आश्रम परिसर में स्थापित श्रीयंत्र एवं यहां संचालित आध्यात्मिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। उन्होंने कहा कि बाबा कल्याणदास की साधना एवं तपस्या के कारण यह स्थान आज पूरे विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। साथ ही उन्होंने बाबा कल्याणदास द्वारा वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक चेतना के प्रसार हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आश्रम धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक साधना एवं सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त कर रहे हैं। कहा कि राज्य सरकार आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और चारधाम यात्रा में प्रतिवर्ष बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या प्रदेश में विकसित हो रही बेहतर व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का परिणाम है।

संक्षिप्त समाचार

दून में 18 केंद्रों पर रविवार को होगी नीट परीक्षा

देहरादून। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2026 परीक्षा तीन मई रविवार को होगी। इसके लिए दून में 18 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए प्रशासन और शिक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अधिकांश केंद्र केंद्रीय विद्यालयों एवं प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में बनाए गए हैं, जहां सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था और निगरानी को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं बलूनी क्लासेज के एमडी विपिन बलूनी ने बताया कि परीक्षा एजेंसी ने केंद्रों की सूची जारी कर दी है। जिसके अनुसार आर्मी पब्लिक स्कूल बीरपुर, बी.एस. नेगी राजकीय इंटर कॉलेज गुज्जराडा, राजकीय पॉलिटेक्निक पिथुवाला, केंद्रीय विद्यालय संख्या-2 हाथीबड़कला, केंद्रीय विद्यालय ओएनजीसी रायपुर, केंद्रीय विद्यालय ओएनजीसी कौलागढ़, केंद्रीय विद्यालय एफआरआई न्यू फॉरेस्ट सहित विभिन्न विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इसके अलावा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय आईटीबीपी सीमा द्वार, अपर कैंप देहरादून कैंट, केंद्रीय विद्यालय संख्या-1 सलावाला, आर्मी कैंट रायवाला, बीरपुर गढ़ी कैंट, आईआईपी मोहकमपुर तथा भारतीय सैन्य अकादमी प्रेमनगर स्थित केंद्रीय विद्यालय भी केंद्रों में शामिल हैं। इसी प्रकार पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राजपुर रोड, पीएम श्री राजीव गांधी नवोदय विद्यालय ननूरखेड़ा तथा उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर स्थित वूमन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

आईआईपी की सेवानिवृत्त अधिकारी से 1.48 लाख ठगे

देहरादून। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) की सेवानिवृत्त अधिकारी से साइबर अपराधियों ने 1.48 लाख रुपये ठग लिए। आरोपी ने कस्टमर केयर अधिकारी बनकर महिला से बात की और उन्हें झांसे में लिया। पटेलनगर कोतवाली पुलिस के अनुसार, आभा ध्यानी निवासी चमन विहार ने तहरीर दी कि उनकी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मोहकमपुर शाखा से पेंशन संचालित होती है। उनका किसी सोसाइटी से रुपये आने थे। 30 अक्तूबर 2025 को उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को कस्टमर केयर अधिकारी बताया और सोसाइटी के रुपयों के बारे में पूछताछ की। आरोप है कि कुछ देर बात के बाद फोन काट दिया गया। शाम को उन्हें संबंधित बैंक से खाते से रुपये निकासी के संबंध में कॉल आया। उन्हें बताया गया कि उनके खाते से दो किस्तों में करीब 1.48 लाख रुपये निकाले गए हैं। यह सुनकर महिला के होश उड़ गए। पुलिस ने गुरुवार को मामले में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मजदूर दिवस पर श्रमिकों को हक देने की आवाज बुलंद

देहरादून। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस–इंटक द्वारा शुक्रवार को कौलागढ़ रोड स्थित ओएनजीसी सामुदायिक केन्द्र में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर हुई संगोष्ठी में श्रमिकों को उनका हक देने को लेकर आवाज बुलंद की गई। ओएनजीसी स्टॉफ यूनियन व ओएनजीसी कान्ट्रेक्ट इम्पलाइज यूनियन के पदाधिकारियों की मौजूदगी में हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि मजदूरों के लिए काम के घंटे निश्चित करने और उन्हें उनके वाजिब कार्यों के लिए वेतन, भत्ते के लिए अभी काफी संघर्ष की जरुरत है। मजदूरों के लिए आवास, परिवारों के लिए आवासीय सुविधा और बच्चों के लिए पढ़ाई, स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव की जरुरत है। औद्योगिकरण के शुरूआती दौर से आज के हालात की तुलना की जाए तो आज इसमें काफी बदलाव आ चुका है। यह सभी संगठन की शक्ति से संभव हुआ है। इंटक के प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट ने मजदूर दिवस का इतिहास बताया और हर बदलाव के लिए संगठन का साथ देने का आह्वान किया। आज कामकाजी वर्ग के लिए काम के आठ घंटे तय किए गए हैं तो वह श्रमिक आंदोलन की ही देन है। भारत में मजदूर दिवस की शुरआत चेन्नई में एक मई 1923 में हुई। आज दुनिया भर के अनेक देशों में मजदूर दिवस मनाया जाता है।

कांग्रेस प्रभारी शैलजा 6 मई से उत्तराखंड दौरे पर, संगठन को देंगी मजबूती

देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं उत्तराखण्ड प्रभारी कुमारी शैलजा 6 मई से उत्तराखण्ड दौरे पर रहेंगी।इस दौरान वे विभिन्न जनपदों में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम बैठकों का आयोजन करेंगी। कांग्रेस श्रीनगर के मीडिया प्रभारी लाल सिंह नेगी ने बताया कि शैलजा 6 मई को नई दिल्ली से रवाना होकर जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगी, जहां से वे ऋषिकेश में रात्रि विश्राम करेंगी। 7 मई को वे ऋषिकेश से श्रीनगर पहुंचकर जिला कांग्रेस कमेटी पौड़ी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगी। इसके बाद वे सोनप्रयाग के लिए प्रस्थान कर वहीं रात्रि विश्राम करेंगी। 8 मई को शैलजा गुप्तकाशी से केदारनाथ धाम पहुंचकर पूजा–अर्चना करेंगी और उसी दिन वापस गुप्तकाशी लौटेंगी। वापसी के दौरान वे अगस्त्यमुनि में कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रुद्रप्रयाग में जिला कांग्रेस कमेटी के साथ बैठक और रात्रि विश्राम करेंगी। 9 मई को वे रुद्रप्रयाग से गोपेश्वर के लिए रवाना होंगी और अगले दिन बद्रीनाथ धाम में पूजा–अर्चना करेंगी। इसके बाद जोशीमठ में कार्यकर्ताओं से भेंट कर रात्रि विश्राम पुनः श्रीनगर में करेंगी।दौरे के अंतिम चरण में वे चंबा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगी और नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

शनिवार को आपके फोन में आएगा अलर्ट, बजेगी घंटी

— घबराएं नहीं, टेस्टिंग के लिए है यह अलर्ट

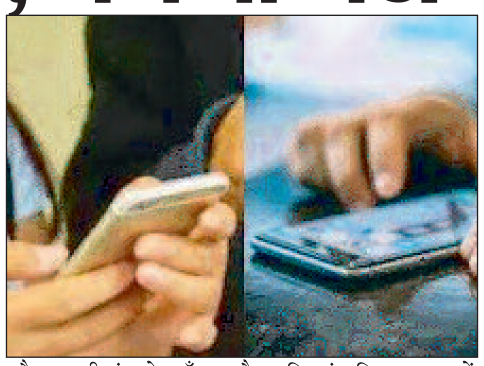

देहरादून। दिनांक 02 मई, 2026, शनिवार को राज्य में सेल ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम के माध्यम से एक परीक्षण अलर्ट जारी किया जाएगा। इस परीक्षण का उद्देश्य राज्य में स्थापित आपातकालीन सूचना प्रसारण प्रणाली की कार्यक्षमता का मूल्यांकन करना तथा यह सुनिश्चित करना है कि आपदा की स्थिति में चेतावनी संदेश समयबद्ध एवं व्यापक रूप से प्रसारित हो सकें। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस परीक्षण अलर्ट को परीक्षण अलर्ट ही समझें। इस अलर्ट से किसी भी प्रकार से घबराने की आवश्यकता नहीं है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, देहरादून द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से राज्य में आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य मौसम पूर्वानुमान एवं आपदा संबंधी सूचनाओं को आम जनमानस तक समय पर और प्रभावी ढंग से पहुँचाना है, ताकि संभावित आपदाओं के प्रति लोगों को पहले से सचेत किया जा सके और जन–धन की हानि को न्यून किया जा सके। यह परीक्षण विभिन्न मोबाइल नेटवर्क सेवा प्रदाताओं के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में किया जाएगा, जिससे यह आकलन किया जा सके कि अलर्ट संदेशों का प्रसारण कितनी प्रभावशीलता से हो रहा है तथा किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। साथ ही, विभिन्न परिस्थितियों में संदेशों की त्वरितता एवं सटीकता का भी परीक्षण किया जाएगा।

मसूरी में मौसम ने ली करवट, ठंड बढ़ी

देहरादून। मसूरी में सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला बदला नजर आया। दोपहर तक धूप के बाद आसमान में काले बादल छा गए।शहर में सर्द हवाएं चलनी शुरू हो गई, जिससे ठंड बढ़ गई। शुक्रवार की दोपहर 2:00 बजे तक धूप खिली रही। अपराह्न 4:00 बजे करीब आसमान में बादल छा गए। हालांकि सुबह से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक गर्मी का एहसास होता रहा। देश–विदेश से मसूरी घूमने आए पर्यटक यहां के मौसम का आनंद उठाते हुए नजर आए। दिल्ली से मसूरी घूमने आई सिमरन, आलिया ने बताया कि वे गुरुवार को मसूरी पहुंचे थे। दोपहर को यहां पर जमकर ओलावृष्टि हुई जिसे देखकर वह काफी रोमांचित हो उठे। सुबह से लेकर दोपहर तक चटक धूप खिली रही जिससे दिन में गर्मी का एहसास होता रहा लेकिन शाम 4:00 बजे करीब फिर से मौसम खराब हो गया। सर्द हवाएं चलनी शुरू हो गई जिससे ठंड बढ़ गई।इसके चलते उन्हें गर्म कपड़े पहनने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मजदूर दिवस पर पांच किग्रा गैस के दामों में 228 रुपये की बढ़ोतरी

रुद्रपुर। शुक्रवार को कमर्शियल गैस के दामों में भारी बढ़ोतरी से महंगाई की मार आम जनता को झेलनी पड़ेगी। 19 किग्रा का कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 2168 से बढ़कर 3161.50 रुपये हो गए। वहीं पांच किग्रा का सिलेंडर 600 से बढ़कर 828 रुपये का हो गया। पिछले माह उद्योगों में गैस 115.71 रुपये से बढ़कर 167.97 रुपये हो गई है। हालांकि, घरेलू गैस सिलेंडर के दाम यथावत रखे गए हैं। मजदूर दिवस पर उपभोक्ताओं को महंगाई का बड़ा झटका लगा है। मजदूर जो 5 किग्रा का सिलेंडर खरीदकर अपने लिए भोजन तैयार करते हैं उनके पांच किग्रा का सिलेंडर अब 600 रुपये के बजाय 828 रुपये का मिलने लगा है।फैक्ट्रियों की कैंटीनों में भी खाने के दामों में बढ़ोतरी तय है। 19 किग्रा के कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 993.50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हो गयी है। इससे बाजार में तैयार खाना व रेंस्टोरेंट, फास्ट फूड, मिठाइयों के दामों में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता के साथ–साथ होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट और छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ना तय है। इधर, उद्योगों को दी जाने वाली एलपीजी गैस के दामों में पहले ही भारी बढ़ोतरी हो चुकी है।

मई दिवस पर श्रमिकों ने प्रदर्शन कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

देहरादून। मई दिवस पर पर्यटन नगरी मसूरी में मई दिवस पर एकट एवं सीटू के नेतृत्व में श्रमिक संगठनों ने अलग अलग प्रदर्शन कर मई दिवस के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सरकार से काले श्रम कानूनों को समाप्त करने सहित श्रमिकों की मांगों को लेकर ज्ञापन भी दिया। इंटक के नेतृत्व में श्रमिकों ने लंढौर गुरूद्वारा चौक से पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ जुलूस निकाला।जुलूस घंटाघर, शहीद भगत सिंह चौक, शहीद स्थल मालरोड होते हुए गांधी चौक तक गया। इंटक अध्यक्ष आरपी बडोनी ने कहा कि आठ घंटे काम, आठ घंटे मनोरंजन व आठ घंटे आराम को लेकर अमेरिका में श्रमिकों ने शहादत दी थी। लेकिन आजाद भारत में श्रमिकों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को सबक सिखाने के लिए तमाम श्रमिक सड़कों पर है व ईंट से ईंट बजाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि होटल श्रमिकों सहित अन्य श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 26 हजार करने, आशाओं व भोजन माताओं का भी न्यूनतम वेतन घोषित किया जाए। इस मौके पर मजदूर संघ, रेहड़ी पटरी व्यापारी, गाइड यूनियन, वाणिज्य कर्मचारी यूनियन, होटल वर्कर्स यूनियन सहित अन्य यूनियनों से जुड़े श्रमिकों ने प्रदर्शन में भाग लिया। दूसरी ओर सीटू के नेतृत्व में शहीद भगत सिंह चौक से गांधी चौक पर मई दिवस के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर प्रदेश सरकार को ज्ञापन दिया गया जिसमें मांग की गयी कि श्रमिकों का वेतन बढ़ाया जाए। होटल, स्कूल, वाणिज्य कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन तीस हजार किया जाए।

बुद्ध पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में बुद्ध पूर्णिमा धूमधाम से मनाई गई। बुद्ध पूर्णिमा पर क्षेत्र और विभिन्न प्रांतों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों में पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई। विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान और विभिन्न अनुष्ठान आदि कर गरीबों को दान–पुण्य किया। शुक्रवार को तड़के चार बजे से ही लोग गंगा घाटों पर उमड़ पड़े। ऋषिकेश के त्रिवेणीघाट, नाव घाट, दत्तात्रेय घाट, रामानंद घाट, साईं घाट, 72–सीढ़ी घाट, आवास विकास घाट, लक्ष्मणझूला के संतसेवा घाट, किरमोलाघाट, स्वर्गाश्रम के नावघाट, लक्ष्मीनारायण घाट, गीताभवन घाट, परमार्थ निकेतन घाट, वानप्रस्थघाट, तपोवन के सच्चा धाम घाट, मुनिकीरेती के शत्रुघनघाट, पूर्णानंद घाट, स्वामीनारायण घाट पर श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा–अर्चना कर गंगा घाटों पर बैठे फक्कड़ बाबाओं को श्रद्धानुसार, अन्न, धन आदि दान दिया। गंगा घाटों पर दोपहर दो बजे तक लोगों की भीड़ देखने को मिली।

पंचायतों को मजबूत कर अंतिम व्यक्ति के जीवन में लाएं बदलाव: बिरला

हल्द्वानी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दिल्ली लौटते समय भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को हल्द्वानी में उनका स्वागत किया। इस मौके उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वह पंचायतों को मजबूत कर अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के पहाड़ी संस्कृति और पहाड़ी संस्कार वाले लोग हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहते हैं।नैनीताल रोड स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में ओम बिरला ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण में यहां की महिलाओं का बड़ा योगदान रहा है। राज्य में समर्पित भाव से राजनैतिक और सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाओं को आगे बढ़ाने में हमें हमेशा सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि पांच दिन के उत्तराखंड प्रवास में उन्होंने यहां के लोगों के संस्कार व समर्पण को देखा। राज्य के युवा बड़ी संख्या में सेना में भर्ती होकर सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड के कार्यकर्ताओं की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। राज्य में समर्पित भाव से कार्य कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत से बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में मिले सम्मान से वह अभिभूत हैं। मौका मिला तो वह यहां फिर से आएंगे। उन्होंने क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं को लोकसभा भवन आने का न्यौता दिया। मेयर गजराज सिंह बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष साकेत अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रदीप जनौटी, दर्जाधारी दीपक मेहरा, प्रगति जैन, शांति भट्ट, पूर्व मेयर जोगेन्द्र सिंह रौतेला, आनंद दर्मवाल, मनोज पाठक, राजेश कुमार, महेश शर्मा, नवीन भट्ट मौजूद रहे।

कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ाने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

अल्मोड़ा। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने बढ़ी हुई कीमतें वापस लेने की मांग उठाई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण लगातार महंगाई बढ़ रही है, जिससे छोटे व्यापारियों, होटल संचालकों और आम लोगों पर सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़ने से रेस्टोरेंट, ढाबों और अन्य छोटे व्यवसायों की लागत बढ़ेगी, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रही जनता के लिए यह फैसला परेशानी बढ़ाने वाला है। कांग्रेस ने इस निर्णय को जनविरोधी बताते हुए सरकार से इसे वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन में महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अरविंद रौतेला, जिला उपाध्यक्ष विनोद वैष्णव, यूथ जिलाध्यक्ष विक्रम फर्त्याल, दीप डांगी, गोविंद बाल्टियाल, शरद शाह, दीपा शाह, निर्मल रावत, दिनेश पिलखवाल, पार्षद मुकेश कुमार, विकास कुमार, वैभव पांडे, किरण आर्य, गोपाल भट्ट, इसरार अहमद, रवींद्र कुमार टम्टा, भैरव गोस्वामी, वकुल साह, अजय नेगी, पंकज भैंसोड़ा, कार्तिक साह, सुशील साह, पारस डसीला, महेश चंद्र आर्य, अमरजीत सिंह भाकुनी, अनूप सिंह, राज चौहान और दीपेश कांडपाल समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं खूंट में गोविंद बल्लभ पंत स्मारक के पास भी केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया गया।

रानीबाग में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

हल्द्वानी। रानीबाग क्षेत्र में लंबे समय से दहशत का पर्याय बना गुलदार आखिरकार शुक्रवार सुबह वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। स्वास्थ्य जांच में अगर गुलदार फिट पाया गया तो उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार उसे दूर कहीं जंगल में छोड़ दिया जाएगा।मनोरा रेंज के रेंजर नितिन पंत ने बताया कि रानीबाग की इंदिरा नगर कॉलोनी में पिछले कई दिनों से गुलदार की सक्रियता बनी हुई थी। वह न केवल गलियों में बेखौफ घूम रहा था, बल्कि पालतू पशुओं पर भी हमले कर रहा था। हाल ही में गुलदार ने एक कुत्ते को निवाला बनाया था, जिसके बाद भयभीत स्थानीय निवासियों ने वन विभाग से उसे पकड़ने की मांग की थी। जनता की सुरक्षा को देखते हुए विभाग ने गुरुवार को इलाके में पिंजरा लगाया था। शुक्रवार तड़के गुलदार शिकार के लालच में पिंजरे में फंस गया।

होटल के कमरे में लगी आग, लाखों का नुकसान

रुद्रपुर। नैनीताल रोड स्थित आवास विकास क्षेत्र के एक होटल में गुरुवार देररात आग लग गई। दमकल विभाग की टीम और कर्मचारियों की मदद से आग पर काबू पा लिया। घटना में कमरे का सामान जलकर नष्ट हो गया। हालांकि, समय रहते आग बुझ जाने से बड़ा हादसा टल गया। गुरुवार की रात 1.14 बजे पीएफटी के माध्यम से फायर स्टेशन रुद्रपुर को नैनीताल रोड स्थित होटल रिवेरा में आग लगने की सूचना मिली। अग्निशमन अधिकारी महेश चंद्र के निर्देश पर फायर यूनिट घटनास्थल पर पहुंची। होटल के प्रथम तल स्थित कमरा नंबर 111 में आग लगी हुई थी। प्राथमिक जांच में सामने आया कि आग लगने का कारण कमरे में धूम्रपान के दौरान बरती गई लापरवाही थी। दमकल कर्मियों ने होटल में स्थापित होजरील और अपने उपकरणों की मदद से आग को पूरी तरह बुझा दिया। आग की चपेट में आकर कमरे में रखा बेड, गद्दा, कपड़े, टीवी सहित अन्य सामान जलकर खाक हो गया।

बारिश से बदला मौसम का मिजाज, गर्मी से मिली राहत

हल्द्वानी। मौसम के अचानक करवट बदलने से लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली है। बीते 24 घंटों (गुरुवार सुबह से शुक्रवार सुबह तक) में हुई 30 मिमी बारिश के बाद दिनभर मौसम सुहाना बना रहा।शुक्रवार को आसमान में हल्की धूप के साथ बादलों की आवाजाही लगी रही, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शहर का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले कुछ दिनों में लगातार 37 डिग्री बना हुआ था। ठंडी हवाओं के चलने से लोगों ने तपिश से राहत महसूस की। बाजारों व पार्कों में रौनक लौट आई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, वर्तमान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर अभी बना रहेगा। पूर्वानुमान के अनुसार, हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों में 4 और 5 मई को पुनः बारिश होने की संभावना है।

कुंभ क्षेत्र में स्वच्छता और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

हरिद्वार। हरिद्वार में अगले वर्ष आयोजित होने वाले कुंभ मेले की तैयारियों को लेकर मेला प्रशासन ने कुंभ नगरी को सजाने–संवारने की मुहिम तेज कर दी है। मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने इस मुहिम के तहत शुक्रवार को दिन भर अनेक क्षेत्रों का पैदल भ्रमण कर कुंभ मेले से संबंधित तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यों का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान मेलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावित कार्यों को समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारा जाए। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र में सौंदर्यीकरण के साथ–साथ सुगमता, स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन–प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने क्षेत्र के व्यापारियों एवं अन्य हितधारकों से बातचीत कर उनके सुझाव भी लिए। इस दौरान मेलाधिकारी ने बुद्ध पूर्णिमा स्नान के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से हरिद्वार पहुंचे श्रद्धालुओं से भी संवाद किया, उन्हें आगामी कुंभ मेले का आमंत्रण दिया तथा व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। शुक्रवार दोपहर मेलाधिकारी ने तुलसी चौक, रेलवे स्टेशन, अपर रोड और हरकी पैड़ी क्षेत्र का पैदल निरीक्षण कर वहां चल रहे और प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की।

एक नजर

कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाएं : हेमा पुरोहित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को कांग्रेस सेवा दल की एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें संगठन की मजबूती पर विशेष जोर दिया गया। इस मौके पर सेवा दल की प्रदेश अध्यक्ष हेमा पुरोहित ने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता और मेहनत के बल पर कांग्रेस आगामी चुनाव में जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर लोगों की समस्याएं जानने और पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने की अपील की। कार्यशाला में सेवा दल की प्रदेश अध्यक्ष हेमा पुरोहित ने कार्यकर्ताओं से आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से सक्रिय होने का आह्वान किया। कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की सफलता बूथ स्तर पर मजबूत संगठन पर निर्भर करती है। यदि कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ पर सक्रिय रहते हुए जनसंपर्क बढ़ाएं, तो चुनाव में सफलता सुनिश्चित हो सकती है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भी संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने विचार रखे। इस मौके पर कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश महासचिव गोपाल गड़िया, मंगत मटियाल, सुनील शाह, पुष्पा शाह, सुंदर लाल मुयाल, अर्जुन सिंह बिष्ट, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

दुगड्डा-जाखी मार्ग पर जोखिम भरा सफर करने को मजबूर लोग

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के अकरी, बारजूला और डागर क्षेत्र के करीब 70 से अधिक गांवों को जोड़ने वाला दुगड्डा-चौकी-जाखी मार्ग इन दिनों खस्ताहाल बना है। मार्ग पर उखड़ी सोलिंग के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं तेज धूप और गर्मी के कारण उड़ती धूल से राहगीरों का चलना भी मुश्किल हो गया है। प्रधान संगठन कीर्तिनगर के पूर्व अध्यक्ष सुनय कुकसाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत मार्ग का सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य चल रहा है। ढाई माह पहले करीब 12 किलोमीटर हिस्से में सोलिंग बिछाई गई थी, लेकिन अब तक डामरीकरण का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि कार्य अधूरा रहने से सोलिंग उखड़कर सड़क पर फैल गई है, जिससे यहां आवाजाही में खतरा बना है। लोगों ने लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर से जल्द मार्ग पर डामरीकरण कराने की मांग की। साथ ही मार्ग पर नियमित पानी का छिड़काव कर धूल से राहत दिलाने का अनुरोध किया। (एजेंसी)

ट्रक व पिकअप की टक्कर, हादसा टला

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे पर शुक्रवार तड़के भल्ले गांव मोड़ पर ट्रक व पिकअप की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दुर्घटना में पिकअप चालक अपनी सीट पर बुरी तरह फंस गया। देवप्रयाग पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद चालक को वाहन से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। कोतवाली देवप्रयाग के प्रभारी निरीक्षक प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि भल्ले गांव में एक ट्रक व पिकअप की आमने सामने टक्कर हो गई, जिसमें पिकअप वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पिकअप चालक वकील (50) निवासी ठंढेरा फाटक, रुड़की बुरी तरह सीट पर फंस गया। चौकी प्रभारी भल्ले गांव से एसआई योगेंद्र शर्मा, एचसी देवेंद्र सिंह व होमगार्ड रमेश मौके पर पहुंचे। उन्होंने अन्य वाहन की सहायता से पिकअप की खिड़की खींचकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस ने चालक को उसके साथी अजर के साथ श्रीनगर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि पिकअप वाहन ज्वालापुर, हरिद्वार से सब्जी लेकर गुप्तकाशी जा रहा था और ट्रक कर्णप्रयाग से ऋषिकेश की ओर आ रहा था। (एजेंसी)

भीम आर्मी ने निकाली रैली, सामाजिक सौहार्द का दिया संदेश

श्रीनगर गढ़वाल : बुद्ध पूर्णिमा पर शुक्रवार को भीम आर्मी एकता मिशन की ओर से श्रीनगर में शांति रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भगवान बुद्ध के बताए शांति और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। शांति रैली का शुभारंभ गोला बाजार से हुआ। यहां से कार्यकर्ता जय भीम और शांति के नारों के साथ गणेश बाजार, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग और गुरुद्वारा रोड होते हुए आगे बढ़े। रैली हनुमान मंदिर मार्ग से गुजरती हुई केवट मोहल्ला स्थित सामुदायिक केंद्र में संपन्न हुई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में भगवान बुद्ध के विचार और शांति का संदेश पूरी मानवता के लिए प्रासंगिक है। इस अवसर पर आयोजन समिति के सुरेश मुयाल, मनोज कुमार, दिलशाद हुसैन, गोविंद लाल, प्रेम लाल केवट, द्वारिका प्रसाद, रमेश प्रकाश शाह, तुलसी मेहरा, दिनेश, अमित, मनोज आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

दूरस्थ शहरों में सीयूईटी परीक्षा केंद्र आवंटित करने पर छात्रों में आक्रोश

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के छात्रों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर छात्र संघ पदाधिकारियों एवं अन्य संगठनों से जुड़े छात्र नेताओं ने कुलपति से वार्ता की। उन्होंने एनटीए की ओर से सीयूईटी स्नातक की प्रवेश परीक्षा के लिए केंद्र दूरस्थ शहरों में आवंटित करने और अन्य समस्याओं का समाधान न होने पर आक्रोश जताया। उन्होंने कहा यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन करेंगे। छात्र संघ अध्यक्ष महिपाल बिष्ट व सचिव अनुरोध पुरोहित ने कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह व अन्य अधिकारियों से कहा कि विवि की ओर से सीयूईटी प्रवेश परीक्षा केंद्र श्रीनगर में बनाए जाने की बात कही.

सनातन धर्म की मूल भावना से जुड़े युवा

आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का सम्मान करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : देवभूमि उत्कर्ष सेवा समिति की ओर से पदमपुर मोटाढांक स्थित शिव शक्ति मंदिर परिसर में अपना 16वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं को सनातन धर्म की मूल भावना से जुड़ने तथा अपने जीवन में शिक्षा के साथ-साथ श्रेष्ठ संस्कारों को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चंद्रमोहन बड़थ्वाल ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रीति और साक्षी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय और आध्यात्मिक बना दिया। मुख्य अतिथि समाजसेवी भारत सिंह नेगी एवं संस्कृत भारती के मंडल अध्यक्ष डॉ. रमाकांत ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन धर्म विश्व की सबसे प्राचीन एवं समृद्ध परंपरा है, जो मानव जीवन को नैतिकता, अनुशासन और सदाचार का मार्ग दिखाती है। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में बच्चों को केवल किताबी शिक्षा देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक मूल्यों और नैतिक संस्कारों से भी जोड़ना आवश्यक है, ताकि वे एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बन सकें। कार्यक्रम में गेप्स संस्था के संगठन मंत्री एवं योग शिक्षक नंदन सिंह नेगी ने योगाभ्यास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन भी प्रदान करता है। उन्होंने युवाओं से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आग्रह किया। इस अवसर पर समिति द्वारा अतिथियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विमर्श के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा देने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में जगत सिंह नेगी, मनमोहन काला, अनुराग कंडवाल, रेखा ध्यानी, डॉ. रमाकांत कुकरेती सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आरबी कंडवाल ने कुशलता पूर्वक किया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य समाज में शिक्षा, संस्कृति और सेवा भाव को बढ़ावा देना है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को जागरूक किया जाता रहेगा।

पौड़ी, कोटद्वार में पेयजल और सीवर समस्याओं के निराकरण को कंट्रोल रूम स्थापित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गर्मी के सीजन को देखते हुए जनपद में पेयजल और सीवर संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए जल संस्थान की ओर से शाखा स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय किए गए हैं। जल संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि इन कंट्रोल रूम का उद्देश्य गर्मियों में जल संकट टालना और सीवर समस्याओं का निवारण करना है। सभी कंट्रोल रूम में शिकायतों के पंजीकरण के लिए अलग पंजिका रखी जाएगी। इससे प्रत्येक शिकायत का रिकॉर्ड दर्ज होगा और पारदर्शिता बनी रहेगी। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने अधिकारियों को गर्मी के दौरान कहीं भी पेयजल संकट उत्पन्न न होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी रखने, शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने और व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने को कहा है। साथ ही लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। अधीक्षण अभियंता जल संस्थान प्रवीण सैनी ने बताया कि पौड़ी शाखा में कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 01368-222015 निर्धारित किया गया है। यहां प्राप्त शिकायतों को तुरंत संबंधित अभियंताओं तक पहुंचाया जाएगा, जो त्वरित निस्तारण कर रिपोर्ट कंट्रोल रूम को देंगे। कंट्रोल रूम प्रभारी के रूप में सहायक अभियंता सुशील कुमार को नामित किया गया है, जो शिकायतों की दैनिक समीक्षा करेंगे। शिफ्टवार तैनाती में सौरभ गोदियाल, विवेक भट्ट और हरीश सिंह सेवाएं देंगे। इसके अलावा कोटद्वार शाखा में भी कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका नंबर 01382-222219 है। अधिशासी अभियंता जल संस्थान अभिषेक कुमार वर्मा ने बताया कि सहायक लाइनमैन मंजू रौतेला और संजय सिंह की तैनाती की गई है।

बमठी गांव में गुलदार की दहशत बरकरार

12 स्कूलों में अवकाश घोषित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय से सटे बमठी गांव में गुलदार की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है। छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए गुलदार प्रभावित बमठी समेत चरधार संकुल के 12 स्कूलों में शनिवार (आज) अवकाश घोषित किया गया है। संकुल के इन विद्यालयों में बीते 24 अप्रैल से विद्यालय बंद हैं। गुलदार के बढ़ते खतरे को देखते हुए पौड़ी ब्लॉक के ये 12 विद्यालय अब सोमवार 4 मई को खुलेंगे।बता दें कि बीते 23 अप्रैल को बमठी गांव में गुलदार ने एक बुजुर्ग को मार डाला था। बीईओ पौड़ी मास्टर आदर्श ने बताया कि गुलदार के खतरे को देखते हुए प्रभावित गांवों से जुड़े चरधार संकुल के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में शनिवार को भी अवकाश घोषित किया गया है। जिनमें उच्च प्राथमिक स्कूल गिरगांव, छतकोट, प्राइमरी क्यार्क, चरधार, छतकोट, गिरगांव, ओणी, बमठी, केसुंदर, सिरोली, सचकिलो व भगतराम न्यू मॉडर्न जूनियर हाईस्कूल सत्यखाल शामिल हैं। वहीं गढ़वाल वन प्रभाग की एसडीओ आयशा बिष्ट ने बताया कि बमठी गांव में विभागीय टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। 18 से 20 कैमरा ट्रैप व सोलर सीसीटीवी, 4 पिंजरे और विभागीय टीमें तैनात हैं। क्षेत्र से सटे असनोली व क्यार्क में भी सीसीटीवी कैमरे और पिंजरे लगा दिए हैं। बताया कि फिलहाल गुलदार पकड़ से बाहर है।

गोपाल सिंह रावत बनें संघ के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तरांचल परिवहन कर्मचारी संघ की पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी गोपाल सिंह रावत को दी गई। जीएमओयूलि कोटद्वार की श्रमिक यूनियन उत्तरांचल परिवहन कर्मचारी संघ की वार्षिक सभा में कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को लेकर भी चर्चा की गई। कहा कि संघ कर्मचारियों के हितों को लेकर लगातार संघर्ष करता रहता है। इस दौरान अध्यक्ष पद पर गोपाल सिंह रावत, उपाध्यक्ष आशीष रावत, सचिव वीरेंद्र सिंह, संयुक्त सचिव सावित्री देवी व कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अरविंद कुमार को दी गई। कार्यकारिणी सदस्य में दर्शन सिंह असवाल, अंजु नैनवाल, मंदीप नेगी, योगेश पटवाल, अनिल कुमार, रतन सिंह को चुना गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन व कर्मचारियों के हितों को लेकर कार्य करने का भी संकल्प लिया। इस मौके पर जगदीश सिंह असवाल, राजेंद्र बिष्ट, अर्पणा ध्यानी, अनिल कुमार, राकेश रावत, रतन सिंह, सुरेश चंद्र देवरानी आदि मौजूद रहे।

तूफान से मची तबाही, पांच झोपड़ी ध्वस्त

भाबर क्षेत्र के झंडीचौड़ में तूफान से ध्वस्त हुई झौपड़ी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के वार्ड नंबर 37 पश्चिमी झंडीचौड़ में गुरुवार शाम आए तेज तूफान ने भारी तबाही मचाई। तूफान की चपेट में आकर घास-फूस से बनी पांच झोपड़ियां पूरी तरह धराशायी हो गईं, जिससे कई परिवार बेघर हो गए।

वार्ड पार्षद सुखपाल शाह ने बताया कि अचानक आए तेज आंधी-तूफान से झोपड़ियां उड़ गईं और उनमें रखा राशन व घरेलू सामान भी पूरी तरह नष्ट हो गया। हालात ऐसे बने कि प्रभावित परिवारों को पूरी रात खुले आसमान के नीचे गुजारनी पड़ी। घटना की सूचना मिलने पर पट्टी पटवारी दिनेश डोबरियाल ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का निरीक्षण किया। प्रभावित परिवारों में महेश्वरी देवी, सतेश्वरी देवी, विजय सिंह, रज्जू देवी, लक्ष्मी देवी और सुमित्रा देवी शामिल हैं। बताया गया कि इन परिवारों ने पूर्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन किया था और उन्हें पहली किस्त के रूप में 20 हजार रुपये भी प्राप्त हुए थे, लेकिन शेष 1.80 लाख रूपये की राशि अब तक नहीं मिल सकी। इसके चलते ये परिवार मजबूरी में कच्ची झोपड़ियों में रहने को विवश थे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवारों को शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए तथा आवास योजना की शेष राशि जल्द जारी कर उन्हें स्थायी छत उपलब्ध कराई जाए।

बेहतर भारत निर्माण में श्रमिकों की सबसे बड़ी भूमिका : मकवाना

नगर निगम प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने कहा कि बेहतर भारत निर्माण में श्रमिकों की सबसे बड़ी भूमिका है। देश को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने में सफाई कर्मचारी भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

शुक्रवार को राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांति मोर्चा की ओर से नगर निगम प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना व नगर आयुक्त पीएल शाह ने संयुक्त रूप से किया। आज देश के श्रमिक बेहतर भारत निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं। सरकार भी श्रमिकों के हितों को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर के योगदान का भी जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने संविधान का निर्माण करते समय समाज के हर वर्ग के अधिकारों को संरक्षित करने का काम किया है। उन्होंने सामाजिक भेदभाव को खत्म कर सामाजिक न्याय की व्यवस्था को कायम किया है। उन्होंने कहा कि देश के श्रमिकों के साथ ही सफाई कर्मी भी ईमानदारी के साथ अपने कार्यों का बखूबी निर्वहन कर रहे है। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार के कार्यों की भी सराहना की है। कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही वाल्मीकि समाज को एक नई पहचान मिली है। उन्होंने राज्य सरकार के कार्यों की भी सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही सफाई कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही सफाई कर्मियों के मृतक आश्रितों को नौकरी दी जा रही है। कहा कि कोराना काल की 10 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि भी भाजपा सरकार के कार्यकाल में दी गई है। कहा कि वर्तमान में सफाई कर्मचारियों का बोनस, मेडिकल सुविधा, साप्ताहिक अवकाश, ग्रेड पे, एसीपी का लाभ सहित सभी प्रकार की सुविधाएं दी जा रही है। नगर आयुक्त पीएल शाह ने कहा कि कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखा जाएगा।

कहा कि देश की आजादी से पहले देश दुनिया में शोषित व शोषण का दौर चलता रहा। कहा कि कर्मचारियों के शोषण को रोकना व अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना जरूरी है। कार्यक्रम में सफाई कर्मियों ने सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष के सम्मुख अपनी समस्याएं भी रखी। कहा कि कई वर्षों से सेवा दे रहे सफाई कर्मचारियों को नियमित किया जाए, साथ ही 15 किलोमीटर के दायरे में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों के लिए सिटी बस की व्यवस्था की जाए या उन्हें वाहन भत्ता दिया जाए। इस मौके पर सहायक नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, अजय अष्टवाल, सफाई निरीक्षक सुनील सिंह, विशाल विरला, प्रिंस लार्ड, विनोद सूद, राजेंद्र सोढी, महेंद्र घाघट, सरस्वती घाघट, शशि, जितेंद्र, यश गौडियाल मौजूद रहे।

मिनी स्टेडियम में जल्द होगा खेल सुविधाओं का विस्तार

श्रीनगर गढ़वाल : विकास खंड कीर्तिनगर के बागसैंण में स्थित मिनी स्टेडियम में जल्द खेल सुविधाओं का विस्तार होगा। लगभग 85 लाख रूपये की लागत से निर्मित इस स्टेडियम में अब 35 लाख रूपये की अतिरिक्त धनराशि से सीढ़ीनुमा दर्शक दीर्घा और महिला-पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालय का निर्माण किया जाएगा। जनवरी 2020 में सिल्काखाल क्षेत्र के बागसैंण में करीब 85 लाख की लागत से ब्लॉक के पहले मिनी स्टेडियम का निर्माण शुरू हुआ था। स्टेडियम तो बनाया गया, लेकिन शौचालय और दर्शकों के बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं हो पाई थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

पत्रांक 75-W/2/3/WA/Publication **दिनांक : 30.04.2026**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

Tender No. Date	40-DRM-MB-26-27 dt. 30.04.2026
Name of work	Heavy repair to leaky roof of staff quarters in south, loco and north colonies and other allied works under ADEN/HQ/MB.
Tender Closing Date	25.05.2026
Advertised Value (Rs.)	1,43,09,888.09
Earnest Money (Rs.)	2,86,200.00
Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	11.05.2026
Period of Completion	6 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1454/26

विद्यार्थी सोच समझकर करें इंटरनेट का उपयोग

आयोजित कार्यशाला में भाग लेती छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की ओर से आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को साइबर अपराध सहित अन्य अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को आधुनिक दौर में इंटरनेट का उपयोग सोच-समझकर करने की सीख दी गई। आर्यकन्या इंटर कॉलेज कोटद्वार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यालय की सभी छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान महिला उपनिरीक्षक सुमन लता एवं कांस्टेबल विद्या मेहता ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके संवैधानिक अधिकारों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान में बालक एवं बालिकाओं के लिए विशेष अधिकार निर्धारित किए गए हैं, जिनकी जानकारी होना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना, संदिग्ध गतिविधि या परेशानी की स्थिति में बिना किसी झिझक के तुरंत पुलिस को सूचना देनी चाहिए। कार्यशाला में नशे के दुष्परिणामों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है, जो न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें। इसके अतिरिक्त, छात्राओं को साइबर सुरक्षा एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि इंटरनेट का उपयोग करते समय सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है और किसी भी अंजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी करते हुए विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे और महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। अंत में जागरूकता का संदेश देते हुए सभी को सतर्क, सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया गया।

कांग्रेस प्रभारी सेलजा सात को कार्यकर्ताओं के साथ करेंगी बैठक

श्रीनगर गढ़वाल : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सेलजा छः मई से उत्तराखंड दौरे पर रहेंगी। कांग्रेस श्रीनगर मीडिया प्रभारी लाल सिंह नेगी ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व उत्तराखंड प्रभारी सेलजा सात मई को श्रीनगर पहुंचेंगी। यहां वह जिला कांग्रेस कमेटी पौड़ी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगी। वह उसी दिन श्रीनगर से सोनप्रयाग के लिए प्रस्थान करेंगी ।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	38-DRM-MB-26-27 Dt. 29.04.2026	39-DRM-MB-26-27 Dt. 29.04.2026
कार्य का नाम	CTR(P)- 10.913 TKM of loop lines in the jurisdiction of SSE/ P.way/RK under ADEN/RK	CTR(P)-6.685 TKM of loop lines in the jurisdiction of SSE/ P.way/LRJ under ADEN/RK
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत (रु.)	4,52,63,630.88	3,33,13,949.38
धरोहर राशि (रु.)	9,05,300.00	6,66,300.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	28.05.2026, 16:00	28.05.2026, 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	14.05.2026	14.05.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 Months	12 Months

नं. 74-W/2/3/WA/Publication **दिनांक : 30.04.2026** **1461/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उद्यमिता देश की उभरती हुई अर्थव्यवस्था का प्रतीक

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास पैठाणी में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला आयोजित की गई। कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. डॉ. विजय कुमार अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उद्यमिता केवल व्यवसाय नहीं बल्कि देश की उभरती हुई अर्थव्यवस्था का प्रतीक भी है।

इस दौरान छात्रों को विभिन्न बिजनेस मॉडल, स्टार्टअप शुरू करने की बारीकियां, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने और सरकारी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रियाओं की तकनीकी जानकारियां दी गईं।

मुख्य वक्ता भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान गुजरात में देवभूमि उद्यमिता योजना के प्रोजेक्ट ऑफिसर डॉ. दिलीप कुशवाहा ने युवाओं को स्टार्टअप, कल्चर और स्वरोजगार के विभिन्न चरणों की जानकारियां दीं।

बताया कि छात्र अपने नवाचार विचारों को एक सफल व्यवसाय में बदल सकते हैं। फैकल्टी मेंटर डॉ. प्रकाश फोंदणी ने योजनाओं की स्थापन और उद्देश्यों की विस्तार से जानकारियां दीं। नोडल अधिकारी डॉ. पुनीत चंद्र वर्मा ने बताया कि योजना के माध्यम से महाविद्यालय सेंटर फॉर एक्सीलेंस के रूप में कार्य कर रहा है। जो कि छात्र-छात्राओं और स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। इस मौके पर शिक्षाविद डॉ. दिनेश रावत, डॉ. खिलाप सिंह, डॉ. सतवीर छात्र संघ अध्यक्ष सूरज रावत आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

सूचना संख्याः 13/2026 दिनांक :- 30.04.2026

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1.	**10_वरिष्ठ मं.वि.अभि.सा_मुरा. 2026**:–वाईएनआरके में नए रनिंग रूम के निर्माण के लिए विद्युत कार्य, एडीईन/एचडब्ल्यू के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान, एडीईन/एचडब्ल्यू के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/डीडीएन के अंतर्गत डोईवाला और देहरादून स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं (जैसे रैंप, हैंड रेल, पार्किंग स्थल आदि) का प्रावधान, एडीईन/आरके के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं (जैसे रैंप, हैंड रेल, पार्किंग स्थल आदि) का प्रावधान।	5838302.79 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	116800.00	6 (छः) माह	निविदाएं दिनांक **22.05.2026** को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन **15:00** बजे खोली जाएँगी।	वेबसाइट **www.ireps.gov.in** मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद
2.	**11. वरिष्ठ मं.वि.अभि.सा._मुरा. 2026**:– LRJ से RKSH के बीच विभिन स्टेशनों (LRJ, ATMO, PRI, IKK, JWP, HW, RWL, MO TC & RKSH Etc.) पर सड़कों और अन्य फर्शों के सुधार के लिए विद्युत कार्य।	5470704.44 (जीएसटी सहित)		109400.00	6 (छः) माह		

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1459/2026

संपादकीय

दलित कार्ड का दुरुपयोग

उत्तर प्रदेश हरदोई के एक पब्लिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका की अभिभावकों के साथ बहस का वीडियो शिक्षा प्रणाली तथा स्कूल पेरेंट्स के बीच के संबंधों पर एक बहस छेड़ चुका है। पूरे देश में स्कूल की प्रधानाध्यापिका के व्यवहार को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं तो वहीं स्कूलों द्वारा अभिभावकों के शोषण के नए–नए किस्से भी सामने आ रहे हैं। प्रकरण एक बच्चे की कॉपियों की खरीद से जुड़ा हुआ है जिसमें किताबों का पूरा सेट खरीदने के बाद कुछ कॉपियां खरीदने के लिए दबाव डाला जा रहा था जिनकी कीमत 1500 थी लेकिन परिवार के पास पैसे नहीं थे जिसे लेकर स्कूल में विवाद हुआ और प्रधानाध्यापिका द्वारा बच्चों के माता–पिता खास तौर पर मां को बुरी तरह से जलील किया गया। वीडियो में प्रधानाध्यापिका बच्चों की मां पर बेहद गुस्से से चिल्ला रही है और माता–पिता को बोलने तक का मौका नहीं दे रही है। वीडियो वायरल होने के बाद प्रधानाध्यापक का ने माफी मांगी लेकिन इधर एक नया खेल इस पूरे प्रकरण में शुरू हुआ और वह था दलित कार्ड खेलने का। बेसिक शिक्षा अधिकारी की तरफ से स्कूल के खिलाफ तो कार्रवाई की ही गई लेकिन इधर प्रधानाध्यापक के खिलाफ एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर दिया गया जिससे एक बहस पूरे देश में छोड़ गई। इन धाराओं में प्रधानाध्यापिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का कोई औचित्य ही नहीं था क्योंकि ना तो वीडियो में बहस के दौरान ऐसा कोई जाति सूचक शब्द सुनाई दिया और ना ही उन्होंने ऐसी कोई बात कही। निश्चित तौर पर इस मामले में भी दलित कार्ड खेलते हुए झूठा मुकदमा एससी एसटी एक्ट के तहत दर्ज कराया गया जैसा की देशभर में कई अन्य मामलों में भी स्वर्ण जाति के लोगों को फसाने के लिए किया जाता रहा है। एससी एसटी कानून का किस प्रकार से दुरुपयोग किया जा रहा है उसका यह कोई अकेला मामला नहीं है लेकिन इस मामले में पूरी तरह से बदला लेने की नीयत से प्रधानाध्यापिका के खिलाफ इन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया लेकिन प्रश्न यह खड़ा होता है कि मुकदमा लिखने वाले किस आधार पर बिना जांच पड़ताल के ऐसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लेते हैं? इस मुकदमे के दर्ज होने के बाद परिवार ने कम से कम आर्थिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार तो पा ही लिया है लेकिन माफी मांगने के बावजूद एक शिक्षित महिला प्रधानाध्यापिका को अब न जाने कितने वर्ष कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाने पड़ेंगे और गिरफ्तारी की संभावना उन्हें किस प्रकार से मनोवैज्ञानिक तरीके से परेशान करेगी इसका असर स्कूल के प्रबंधन और गुणवत्ता पर भी निश्चित तौर पर नजर आएगा।

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई।

एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए।

कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

धरती के स्वर्ग तक तेज भारतीय रेल की रफ्तार

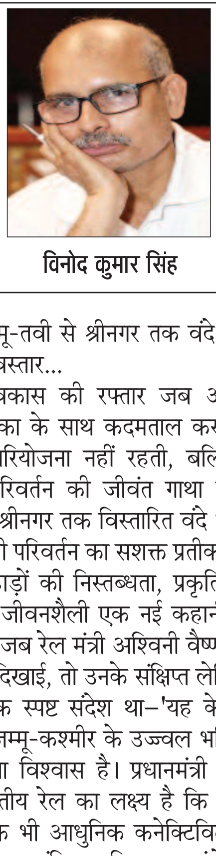

विनोद कुमार सिंह

जम्मू-तवी से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन का विस्तार...

विकास की रफ्तार जब आस्था, पर्यटन और आजीविका के साथ कदमताल करती है,तब वह केवल एक परियोजना नहीं रहती, बल्कि समाज के बहुआयामी परिवर्तन की जीवंत गाथा बन जाती है। जम्मू-तवी से श्रीनगर तक विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा भी ऐसे ही परिवर्तन का सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है - जहाँ पहाड़ों की निस्तब्धता, प्रकृति की विराटता और बदलती जीवनशैली एक नई कहानी रचती प्रतीत होती है।आज जब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस सेवा को हरी झंडी दिखाई, तो उनके संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित उद्बोधन में एक स्पष्ट संदेश था–'यह केवल एक ट्रेन नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बढ़ता हुआ विश्वास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल का लक्ष्य है कि देश के सबसे दुर्गम क्षेत्रों तक भी आधुनिक कनेक्टिविटी पहुंचे,ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।' उन्होंने यह भी कहा कि यह सेवा आने वाले समय में क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी।

दरअसल,यह विस्तार उस स्वप्न का परिपक्व रूप है,जिसकी शुरूआत जून 2025 में कटरा-श्रीनगर वंदे भारत सेवा से हुई थी।अब यह सेवा जम्मू-तवी तक पहुँचकर न केवल दूरी को कम कर रही है,बल्कि लोगों के मनों के बीच की दूरी को भी पाट रही है।कश्मीर की वादियों में जब यह आधुनिक ट्रेन सरपट दौड़ती है, तो उसके साथ-साथ प्रकृति का एक अद्भुत संसार भी खुलता चलता है। ऊँचे-ऊँचे देवदारों से आच्छादित पहाड़, बादलों से संवाद करती घाटियाँ,और दूर तक फैली हरियाली–यह सब मिलकर एक ऐसी अनुभूति का निर्माण करते हैं, जहाँ विकास और प्रकृति के बीच एक संतुलित संवाद दिखाई देता है। यहाँ की सुबहें जब धूप की सुनहरी चादर ओढ़ती हैं और शामें जब ठंडी हवा के साथ सुकून का एहसास कराती हैं, तब यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं,बल्कि भावनात्मक भी बन जाती है।चिनाब रेल पुल और अंजी खड़ पुल जैसे इंजीनियरिंग के चमत्कार इस प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आधुनिक भारत की तकनीकी क्षमता का परिचय देते हैं।इन संरचनाओं के बीच से गुजरती वंदे भारत एक्सप्रेस मानो यह संदेश देती है कि विकास और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं,बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इस पूरी यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों में शांति और व्यवस्था का जो नया वातावरण बना है,उसी ने ऐसे बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को संभव बनाया है।कभी जो क्षेत्र अस्थिरता और अनिश्चितताओं के कारण विकास से वंचित रह जाता था,वही आज प्रगति की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।यह परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं,बल्कि लोगों के जीवन में स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है–बाजारों की रौनक,पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही और युवाओं के चेहरों पर उभरती नई उम्मीदों में।

आर्थिक दृष्टि से यह रेल सेवा रोजगार के नए अवसरों का एक विस्तृत क्षितिज खोल रही है। पर्यटन के विस्तार के साथ होटल, परिवहन,हस्तशिल्प और स्थानीय व्यवसायों मेंअभूतपूर्व वृद्धि की संभावना है।कश्मीर के सेब, केसर और पश्मीना जैसे उत्पाद अब अधिक तेजी और सुविधा के साथ देश के विभिन्न बाजारों तक पहुँच सकेंगे,जिससे स्थानीय कारीगरों और किसानों की आय में वृद्धि होगी।युवा वर्ग,जो कभी सीमित अवसरों के कारण पलायन के लिए विवश होता था,अब अपने ही क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के नए आयाम तलाश सकेगा।आस्था के स्तर पर भी यह सेवा एक नई ऊर्जा लेकर आई है।श्री माता वैष्णो देवी मंदिर और अमरनाथ यात्रा से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा अब पहले से कहीं अधिक सहज और सुलभ हो गई है। आस्था की इस यात्रा में अब कठिनाइयों की जगह सुविधा और संतोष ने ले ली है।इस परियोजना की आधारशिला उधमपुर-श्रीनगर- बारामूला रेल लिंक है,जो भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है।हिमालय की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तैयार यह रेल मार्ग केवल पटरियों का जाल नहीं, बल्कि एक ऐसे भारत की कहानी है जो हर चुनौती को अवसर में बदलना जानता है अंततः,जम्मू-तवी से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस का यह विस्तार एक व्यापक परिवर्तन का संकेत है।यह केवल यात्रा को सरल बनाने का माध्यम नहीं,बल्कि एक ऐसे नए युग की शुरूआत है,जहाँ शांति, विकास और समृद्धि एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।पहाड़ों की गोद में बसे इस 'धरती के स्वर्ग' में अब न केवल प्रकृति की सुंदरता है,बल्कि आधुनिक भारत की प्रगति की चमक भी है-जहाँ हर सुबह नई संभावनाओं का संदेश देती है और हर यात्रा एक नई उम्मीद का आरंभ बनती है।

अंतरजातीय संबंधों पर सामाजिक हिंसा का संकट और बदलते समाज की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के टामटिया गांव में घटी हालिया घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं है बल्कि यह हमारे समाज के भीतर गहराई तक जमी उन मानसिकताओं को उजागर करती है जो आज भी जाति और परंपरा के नाम पर इंसानियत को पीछे छोड़ देती हैं। एक प्रेम प्रसंग से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसा में बदल गया, जिसमें एक युवक की हत्या कर दी गई और उसके बाद गुस्से और बदले की भावना में गांव के कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है, पुलिस बल तैनात है, और ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर 21वीं सदी में भी समाज इस तरह की त्रासदियों से क्यों जूझ रहा है।

इस घटना की जड़ में एक अंतरजातीय प्रेम संबंध बताया जा रहा है। युवक और युवती के बीच संबंध को लेकर पहले भी विवाद हुआ था और मामला पुलिस तक पहुंचा था, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थिति बिगड़ती चली गई। जब परिवार और समाज प्रेम संबंध को स्वीकार नहीं कर पाते, तब ऐसे रिश्ते अक्सर टकराव का कारण बनते हैं। इस मामले में भी युवती के भाई ने संबंध का विरोध किया, जिससे तनाव बढ़ा और अंततः यह हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि युवक की हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई, जिसने पूरे गांव को झकझोर दिया।

हत्या के बाद जो हुआ वह और भी चिंताजनक है। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर हमला कर दिया, घरों में आग लगा दी, और देखते ही देखते कई परिवार बेघर हो गए। बताया जा रहा है कि 30 से अधिक घर जलकर राख हो गए। यह केवल संपत्ति का नुकसान नहीं है, बल्कि उन परिवारों की जिंदगी पर गहरा आघात है, जिन्होंने एक ही रात में अपना सब कुछ खो दिया। आगजनी के बाद भी लंबे समय तक घरों से धुआं उठता रहा, जो इस त्रासदी की भयावहता का प्रतीक है।

घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले से मिल रही धमकियों के बावजूद पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण यह घटना हुई। यही कारण है कि अब लोग आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जब आम नागरिकों को यह महसूस होता है कि उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, तो उनके भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है, जो आगे चलकर सामाजिक अशांति को जन्म देता है।

यह घटना केवल एक गांव या एक राज्य तक सीमित नहीं है। देश के कई हिस्सों में आज भी अंतरजातीय विवाह या प्रेम संबंधों को लेकर इसी तरह की हिंसा देखने को मिलती है। समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी जातिगत सीमाओं को तोड़ने के लिए तैयार नहीं है। खासकर जब बात बेटियों की आती है, तो परिवारों में नियंत्रण और कठोरता और भी बढ़ जाती है। यह एक गहरी विडंबना है कि जहां एक ओर समाज बहुओं को किसी भी जाति से स्वीकार कर लेता है, वहीं बेटियों के लिए वही स्वतंत्रता नहीं दी जाती। यह दोहरा मापदंड न केवल असमानता को बढ़ावा देता है बल्कि सामाजिक तनाव का कारण भी बनता है।

समाज में लड़कियों की कमी भी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कई क्षेत्रों में आज भी लिंगानुपात असंतुलित है, जिसके कारण हजारों युवक शादी से वंचित रह जाते हैं। इसके बावजूद अगर समाज अंतरजातीय विवाह को स्वीकार नहीं करता, तो यह समस्या और जटिल होती जाती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम अपनी सोच को बदलें और रिश्तों को जाति के बजाय मानवीय आधार पर स्वीकार करें।

इस तरह की घटनाएं यह भी दिखाती हैं कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष अब भी जारी है। एक ओर नई पीढ़ी अपने फैसले खुद लेना चाहती है, अपने जीवनसाथी का चुनाव करना चाहती है, वहीं दूसरी ओर पुरानी सोच अब भी इन बदलावों को स्वीकार करने में हिचक रही है। यह टकराव जब संवाद के बजाय हिंसा में बदल जाता है, तब इसके परिणाम बेहद खतरनाक होते हैं।

इस समस्या का समाधान केवल कानून के जरिए संभव नहीं है। इसके लिए समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता और संवाद की जरूरत है। परिवारों को यह समझना होगा कि बच्चों की खुशियां और उनका अधिकार सर्वोपरि हैं। शिक्षा का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है, क्योंकि शिक्षित समाज में इस तरह की कट्टरता अपेक्षाकृत

कम देखने को मिलती है। साथ ही प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और ऐसे मामलों में समय रहते प्रभावी कार्रवाई करनी होगी ताकि स्थिति बिगड़ने से पहले ही संभाली जा सके।

टामटिया गांव की यह घटना एक चेतावनी है कि अगर हमने अब भी अपनी सोच नहीं बदली, तो ऐसे हादसे बार-बार होते रहेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज बदल रहा है और इस बदलाव को रोकना संभव नहीं है। बेहतर यही होगा कि हम इसे समझदारी से स्वीकार करें और एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां प्रेम, समानता और सम्मान को प्राथमिकता दी जाए, न कि जाति और रूढ़ियों को।

अंततः यह सवाल हम सभी के सामने है कि हम किस तरह का समाज बनाना चाहते हैं। क्या हम वही पुरानी परंपराओं में जकड़े रहेंगे जो हिंसा और विभाजन को जन्म देती हैं, या फिर हम एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ेंगे जहां हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी हो। इस सवाल का जवाब ही तय करेगा कि आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं कम होंगी या फिर और बढ़ेंगी।

पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक बंपर वोटिंग-खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं।

भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय होनें की संभावना-4 मई 2026 महीनों से लिखी जा रही कथा के नतीजों का राजनीतिक निष्कर्ष होगा

पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं;यह चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है.

उच्च मतदान प्रतिशत एंटी- इंकंबेंसी का परिणाम -बीजेपी को फायदा, प्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशन-टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है- स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान निर्णायक भूमिका निभानें की संभावना.

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं। अब इंतजार है तो सिर्फ 4 मई का जब नतीजे आएंगे और क्लियर हो जाएगा कि सत्ता में ममता बनर्जी की वापसी होगी या फिर इस बार पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा। लेकिन उससे पहले जो एग्जिट पोल सामने आए हैं, वह कहीं ना कहीं ममता बनर्जी की जमीन हिला रहे हैं। तमाम टीएमसी नेताओं की धड़कनें बढ़ा रहे हैं। और कुछ नेता तो क्या कह रहे हैं टीएमसी के? टीएमसी के नेता कह रहे हैं कि बीजेपी हर बार इस तरीके का माहौल बनाती है और उसका माहौल उल्टा ही साबित होता है। इस बार जो बंगाल में 200 पार का यह लोग बातें कर रहे हैं। इस बार वो बातें हवा-हवाई ही साबित होंगी क्योंकि 4 मई को जो नतीजे आएंगे वो टीएमसी के पक्ष में आएंगे। हालांकि बीजेपी वाले जो हैं वो ये कह रहे हैं कि इस बार ममता बनर्जी के साथ खेला होगा। एक तरफ जनता की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी, दूसरी तरफ सत्ता के प्रति गहरी असंतुष्टि या समर्थन का तीव्र भाव। पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं है;यह दर्शाता है कि चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पृष्ठभूमि में बदला बनाम बदलाव की बहस,वोटों की बरसात और सत्ता परिवर्तन जैसे सवाल केवल नारे नहीं बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान के संकेतक बन जाते हैं।अगर हम ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो पश्चिम बंगाल लंबे समय तक वैचारिक राजनीति का केंद्र रहा है। वामपंथी शासन के तीन दशक और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में आल इंडिया तृणमूल

कांग्रेस (टीएमसी) का उदय, ये दोनों ही चरण बताते हैं कि बंगाल की राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है।लेकिन वर्तमान चुनाव में जो सबसे बड़ा बदलाव दिखता है,वह है बीजेपी का अभूतपूर्व उभार,जिसने राज्य की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को त्रिकोणीय और अब लगभग द्विध्रुवीय (टीएमसी बनाम बीजेपी) संघर्ष में बदल दिया है।

साथियों बात अगर हम भारत भारत व पूरे विश्व की नजरों मेंअब पहले सबसे बड़े प्रश्न की करें,पूरी दुनिया की नजरें सोमवार 4 मई 2026 के नतीजों पर क्यों टिकी हैं? इसका उत्तर केवल सीटों के गणित में नहीं बल्कि उस राजनीतिक कथा में छिपा है जो भारत के लोकतंत्र को परिभाषित करती है। बंगाल का चुनाव इस बात का संकेत देगा कि क्या क्षेत्रीय दल अभी भी अपने मजबूत गढ़ों को बचा सकते हैं या राष्ट्रीय दलों का विस्तार अब लगभग हर राज्य में संभव हो गया है। यह चुनाव पीएम के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय राजनीति बनाम क्षेत्रीय पहचान की राजनीति का सीधा मुकाबला भी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे लोकल बनाम नेशनल नैरेटिव के रूप में देखा जा रहा है, जो कई लोकतांत्रिक देशों में उभरती प्रवृत्ति से मेल खाता है।

साथियों बात अगर हम बदला या बदलाव,इस प्रश्न को समझने की करें तो पश्चिम बंगाल की राजनीति के सबसे संवेदनशील पहलू को छूता है। बदला शब्द बंगाल में राजनीतिक हिंसा और प्रतिशोध की उस संस्कृति की ओर इशारा करता है जो दशकों से चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा रही है। वहीं बदलाव विकास, प्रशासनिक सुधार और नई राजनीतिक दिशा का प्रतीक है। इस चुनाव में दिलचस्प बात यह रही कि व्यापक रूप से हिंसा की घटनाएं अपेक्षाकृत कम देखने को मिलीं,जिसका श्रेय केंद्रीय बलों की तैनाती और कड़ी निगरानी को दिया जा रहा है। यह बदलाव केवल चुनावी प्रक्रिया में नहीं बल्कि मतदाताओं के मनोविज्ञान में भी झलकता है,वे अब स्थिरता और सुरक्षा को सटीकता से प्राथमिकता दे रहे हैं।

साथियों बात अगर हम दोनों चरणों में 92 प्रतिशत से अधिक हुई बंपर वोटिंग को समझने की करें तो अब सवाल आता है,वोटों की बरसात किसके साथ? अत्यधिक मतदान प्रतिशत आमतौर पर दो तरह के संकेत देता है:या तो सत्ता के खिलाफ भारी असंतोष, या फिर सत्ता के समर्थन में जबरदस्त लामबंदी।इस बार बंगाल में दोनों ही संभावनाएं मौजूद हैं। एक तरफ टीएमसी ने अपने कल्याणकारी योजनाओं,महिला वोट बैंक और ग्रामीण नेटवर्क के दम पर मजबूत पकड़ बनाए रखी है,वहीं बीजेपी ने हिंदुत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के मुद्दों के साथ-साथ संगठनात्मक विस्तार के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश की है।एग्जिट पोल्स ने इस जटिल समीकरण को और भी रोमांचक बना दिया है।विभिन्न एजेंसियों के अनुमान में बीजेपी को बढ़त दिखाई जा रही है,कुछ में तो स्पष्ट बहुमत का दावा भी किया गया है। हालांकि पोल ऑफ पोल्स एक करीबी मुकाबले की ओर इशारा करता है, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच सीटों का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है।भारतीय चुनावी इतिहास में एग्जिट पोल कई बार गलत भी साबित हुए हैं, इसलिए इन्हें अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। फिर भी ये राजनीतिक माहौल और मतदाताओं की संभावित दिशा का संकेत जरूर देते हैं।टीएमसी का दावा है कि ये एग्जिट पोल मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वास्तविक नतीजे उनके पक्ष में आएंगे और बीजेपी का 200 पार का दावा केवल प्रचार है। दूसरी ओर बीजेपी का आत्मविश्वास इस बात को दर्शाता है कि पार्टी को जमीनी स्तर पर अपने प्रदर्शन को लेकर भरोसा है। खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे ये नारे अब केवल शब्द नहीं बल्कि दो अलग- अलग राजनीतिक दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

साथियों बात अगर हम इस चुनाव में एक और महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह है,भ्रष्टाचार के आरोप, विशेषकर कोयला घोटाला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इस बार कोई बड़ा उलटफेर होता है, तो उसमें इन आरोपों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। जांच एजेंसियों की कार्रवाई और उससे जुड़ी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल को प्रभावित किया है। साथ ही, चुनावी रणनीति में पेशेवर संस्थाओं की भूमिका जैसे कि आईपैक भी चर्चा का विषय रही है, जिसने आधुनिक भारतीय चुनावों में डेटा-आधारित रणनीति की अहमियत को उजागर किया है।मतदान के शांतिपूर्ण संपन्न होने का एक और बड़ा प्रभाव यह है कि इससे चुनाव की वैधता और विश्वसनीयता बढ़ी हैअंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लोकतंत्र को अक्सर उसकी जटिलता और विविधता के कारण सराहा जाता है, लेकिन चुनावी हिंसा उसकी छवि को प्रभावित करती रही है। इस बार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण चुनाव ने यह संदेश दिया है कि भारत अपने चुनावी तंत्र को और मजबूत बना रहा है।

साथियों बात अगर हम सबसे बड़ा प्रश्न,क्या एग्जिट पोल के आंकड़े वास्तविक नतीजों में बदलेंगे? इसको समझने की करें तो,इसका उत्तर 4 मई को ही मिलेगा, लेकिन कुछ संकेतों के आधार पर संभावनाओं का विश्लेषण किया जा सकता है। अगर उच्च मतदान प्रतिशत एंटी-इंकंबेंसी का परिणाम है, तो बीजेपी को फायदा हो सकता है। लेकिन अगर यह ह्लप्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशनह्व है, तो टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है। इसके अलावा, स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता, क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।यह केवल यह नहीं बताएगा कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी, बल्कि यह भी संकेत देगा कि भारत में राजनीति का स्वरूप किस दिशा में विकसित हो रहा है,क्या क्षेत्रीय दल अपनी पकड़ बनाए रखेंगे या राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व और बढ़ेगा। बदला और बदलाव के बीच झूलता यह चुनाव लोकतंत्र के उस जीवंत स्वरूप का उदाहरण है, जहां अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है।4 मई का दिन केवल नतीजों की घोषणा नहीं होगा, बल्कि यह उस राजनीतिक कथा का निष्कर्ष होगा जो महीनों से लिखी जा रही है। क्या ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचा पाएंगी या बीजेपीपहली बार बंगाल में सरकार बनाएगी,यह सवाल जितना बंगाल के लिएमहत्वपूर्ण है, उतना ही भारत और विश्व की राजनीति के लिए भी महत्व रखेगा।

संक्षिप्त समाचार

यूएई के ओपेक से बाहर निकलने के फैसले का अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया स्वागत, बताया इसका फायदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त अरब अमीरात के तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक से बाहर निकलने के फैसले का स्वागत किया है। ट्रंप ने कहा कि यूएई के इस कदम से वैश्विक तेल और गैस की कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। यूएई ने मंगलवार को तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक से बाहर निकलने का एलान किया था। यूएई के इस फैसले का वैश्विक तेल बाजार पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। डोनाल्ड ट्रंप से जब यूएई के फैसले को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ये अच्छा फैसला है। मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूं, मोहम्मद बेहद चतुर हैं और वे शायद अपनी राह पर चलना चाहते हैं। ये अच्छी बात है क्योंकि इससे वैश्विक तेल और गैस की कीमतें कम होंगी। उनके पास ये सभी चीजें हैं। वे एक अच्छे नेता हैं और मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं हैं। उन्हें ओपेक से कुछ समस्या होगी।' यूएई दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। एएसके वेल्थ एडवाइजर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यूएई के ओपेक से निकलने के फैसले का तेल की कीमतों पर क्या असर पड़ेगा ये फिलहाल स्पष्ट नही है। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि हो सकता है कि तुरंत तेल की कीमतों पर असर न पड़े लेकिन यूएई के फैसले से तेल की आपूर्ति के नियंत्रण पर असर जरूर पड़ेगा। साथ ही इससे तेल के कार्टेल पर भी असर पड़ेगा। पश्चिम एशिया संकट के चलते पहले ही तेल बाजार अस्थिर है। मशहूर अर्थशास्त्री जेफ्री सैक ने चेतावनी दी है कि बढ़ते भू राजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में संकट बढ़ेगा। उन्होंने यूएई के ओपेक से बाहर निकलने के फैसले की आलोचना की और इसे रणनीतिक गलती करार दिया।

कतर जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर, एक मई से हमाद एयरपोर्ट के लिए शुरू होंगी उड़ानें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप सरकार द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध को लेकर संसद में तीखी बहस देखने को मिली। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ जब कांग्रेस के सामने पेश हुए, तो विपक्षी नेताओं ने युद्ध के खर्च और उद्देश्य पर सवाल उठाए। इस युद्ध पर अब तक करीब 25 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। कई सांसदों ने आरोप लगाया कि बिना संसद की मंजूरी के युद्ध शुरू करना गलत है। वहीं सरकार का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अभी भी खतरा बना हुआ है। हालांकि फिलहाल संघर्षविराम लागू है, लेकिन हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस मुद्दे पर अमेरिका की राजनीति में भी मतभेद साफ नजर आ रहे हैं। कतर में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर एक जरूरी जानकारी साझा की है। भारतीय एयरलाइंस अब दोहा के हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अपनी सेवाएं फिर से शुरू करने की तैयारी में हैं। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो एक मई 2026 से दोहा और भारत के अलग-अलग शहरों के बीच अपनी उड़ानें फिर से शुरू करने की योजना बना रही हैं। दूतावास ने बताया कि उड़ानों का यह संचालन संबंधित अधिकारियों और एयरलाइन पार्टनर्स के साथ तालमेल बिठाकर किया जा रहा है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी उड़ानों के समय, बुकिंग और अन्य जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस के लगातार संपर्क में रहें। यह फैसला क्षेत्र में विमान सेवाओं के लगातार हो रहे विस्तार को देखते हुए लिया गया है।

भारत को 'कोहिनूर' लौटाएगा ब्रिटेन?: किंग चार्ल्स से न्यूयॉर्क के मेयर की अपील; ममदानी के बयान से चर्चाएं तेज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से चल रहे एक ऐतिहासिक विवाद को फिर से चर्चा में ला दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर उन्हें ब्रिटेन के राजा राजा चार्ल्स तृतीय से मिलने का मौका मिलता है, तो वे उनसे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने की मांग करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मेयर ममदानी से पूछा गया कि वे राजा से क्या कहेंगे, तो उन्होंने बिना किसी औपचारिक बात के सीधे इस मुद्दे को उठाया। उनका कहना था कि कोहिनूर सिर्फ एक हीरा नहीं, बल्कि भारत के इतिहास, गौरव और ब्रिटिश शासन के दौरान हुए अन्याय का प्रतीक है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क में 9/11 स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के दौरान राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद कहा, 'अगर मुझे राजा से अलग से बात करने का मौका मिलता, तो मैं शायद उन्हें कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करता। दरअसल, कोहिनूर हीरा भारत के आंध्र प्रदेश के कोल्लूर खान से निकला था और यह कई भारतीय शासकों, मुगलों और सिखों, के पास रहा।

ट्रंप ने होर्मुज का नाम बदलकर 'ट्रंप जलडमरूमध्य' किया, सोशल मीडिया पोस्ट पर मचा बवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ ऐसा कर दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर ट्रंप जलडमरूमध्य कर दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट को री-पोस्ट किया, जिसमें होर्मुज की तस्वीर को ट्रंप जलडमरूमध्य दिखाया गया है। हालांकि जिस यूजर की पोस्ट को ट्रंप ने री-पोस्ट किया है, वह पोस्ट नहीं दिख रही है। पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

वैश्विक तेल आपूर्ति की जीवन रेखा है होर्मुज जलडमरूमध्य : होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान की खाड़ी के बीच में स्थित दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन समुद्री मार्गों में से एक है। इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवन रेखा माना जाता है। दुनिया का करीब 20-30 प्रतिशत कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। ईरान अमेरिका और इस्राइल युद्ध के चलते ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हुई और दुनिया भर में तेल की कीमतों में उछाल आया। अब अमेरिका ने भी होर्मुज की नाकाबंदी कर दी है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम चल रहा है, लेकिन अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी की हुई है। ईरान ने समझौते के लिए होर्मुज को खोलने का प्रस्ताव दिया है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने होर्मुज की नाकाबंदी को सही बताते हुए कहा कि 'नाकाबंदी, बमबारी से ज्यादा प्रभावी है। ईरान बुरी तरह फंसा हुआ है और उनका दम घुट रहा है। अभी उनकी स्थिति और खराब होगी।'

ट्रंप का दावा- भारी दबाव में है ईरान की सरकार : ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज नाकाबंदी से ईरान पर भारी दबाव पड़ रहा है और वे जल्द से जल्द समझौता करना चाहते हैं। हालांकि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बंद कराने की मांग पर अड़े हैं। इससे गतिरोध की स्थिति पैदा हो गई है। ट्रंप सरकार का मानना है कि होर्मुज की नाकाबंदी से ईरान तेल की आपूर्ति नहीं कर पाएगा और इससे ईरान अंदरूनी तौर पर कमजोर होगा। ट्रंप का दावा है कि ईरान के ऊर्जा केंद्र बंद होने के कगार पर हैं और तेल निर्यात न कर पाने के कारण ईरान की सरकार भारी दबाव में है।

एक महीने के उच्च स्तर पर कच्चा तेल: यूएस ने ईरान पर नाकेबंदी को आगे बढ़ाने के दिए निर्देश, आपूर्ति की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन,एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के जरिये आपूर्ति में लंबे समय तक बाधा की चिंताओं से बुधवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पांच फीसदी से अधिक बढ़कर एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। कच्चे तेल में उछाल का असर भारतीय रुपये पर भी देखने को मिला और यह डॉलर के मुकाबले 20 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 94.88 पर बंद हुआ। दरअसल, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगियों को ईरान पर नाकेबंदी को और आगे बढ़ाने की तैयारी करने का निर्देश दिया है। इससे पश्चिम एशिया के इस अहम तेल उत्पादक क्षेत्र से आपूर्ति में रुकावटें और लंबे समय तक बनी रहने की आशंका है। इस रिपोर्ट के बाद वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमतें 6.08 डॉलर या 5.5 फीसदी बढ़कर 117.34 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गईं। यह 31 मार्च के बाद ब्रेंट क्रूड का एक महीने का उच्च स्तर है। यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 5.26 डॉलर या 5.3 फीसदी उछलकर 105.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। इसके साथ ही, तेल में आठ दिनों से तेजी का सिलसिला जारी है।

रुपये में बना रहेगा उतार-चढ़ाव : क्रूड की कीमतों में उछाल के साथ विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी से भी बुधवार को रुपये में गिरावट आई।?फॉरेक्स कारोबारियों ने कहा, क्रूड 115 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत के आयात खर्च पर असर पड़ने की आशंका है। पश्चिम एशिया संकट और इसके व्यापक संघर्ष में बदलने की आशंकाओं ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। आने वाले समय में रुपये में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.79 पर खुला और कारोबार के दौरान 94.88 के निचले स्तर तक गया। इससे पहले रुपया 27 मार्च को 94.85 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

होर्मुज सुरक्षा के लिए अमेरिका बनाएगा नया गठबंधन, वैश्विक व्यापार-ऊर्जा संकट से बढ़ी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने एक बड़ी रणनीतिक पहल शुरू की है। व्हाइट हाउस अब एक नए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को तैयार करने की कोशिश में है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रस्तावित योजना का नाम मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट (एमएफसी) रखा गया है। इसका मकसद विभिन्न देशों को एक साथ लाकर समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा को मजबूत करना है। इस योजना में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड मिलकर काम करेंगे। विदेश विभाग कूटनीतिक नेतृत्व करेगा, जबकि सेंट्रल कमांड समुद्री निगरानी और सूचना साझा करने का जिम्मा संभालेगा।

वैश्विक देशों से समर्थन की अपील : अमेरिका अपने साझेदार देशों से इस गठबंधन में शामिल होने की अपील कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह भी पूछा जा रहा है कि क्या देश इस पहल में राजनयिक या सैन्य साझेदार बनना चाहते हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सामूहिक कार्रवाई से वैश्विक व्यापार मार्गों को सुरक्षित किया जा सकेगा और ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

ईरान के साथ तनाव और समुद्री टकराव : यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया है कि जब तक ईरान परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता, तब तक समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। वहीं ईरान की ओर से चेतावनी दी गई है कि इस नाकाबंदी का जवाब अभूतपूर्व कार्रवाई से दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चा है कि यह संघर्ष आगे बढ़कर या तो किसी नए परमाणु समझौते में बदल सकता है या फिर लंबा सैन्य तनाव बन सकता है। फिलहाल, दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है।

रिकॉर्ड बनाकर लौट रहा अमेरिकी विमानवाहक पोत, ईरान में जंग से लेकर वेनेजुएला तक रही भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड 300 दिनों से अधिक की रिकॉर्ड-सेटिंग तैनाती के बाद घर लौट रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने 28 अप्रैल को यह जानकारी दी। इस तैनाती में ईरान के खिलाफ युद्ध और वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने में भागीदारी शामिल थी। फोर्ड मई के मध्य में अपने वर्जीनिया स्थित घरेलू बंदरगाह पर वापस आएगा। फोर्ड अगले कुछ दिनों में मध्य पूर्व छोड़ देगा। पिछले सप्ताह यूएसएस जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश के क्षेत्र में पहुंचने से मध्य पूर्व में तीन अमेरिकी विमानवाहक पोत तैनात हो गए थे। 2003 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। ईरान युद्ध में नाजुक युद्धविराम के दौरान यह स्थिति बनी। यूएसएस अब्राहम लिंकन भी जनवरी 2026 से क्षेत्र में मौजूद है। अप्रैल 2026 में, फोर्ड ने वियतनाम युद्ध के बाद की सबसे लंबी अमेरिकी तैनाती का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जून 2025 में नौसेना स्टेशन नॉरफ़ॉक से निकलने के बाद यह लगभग दस महीने की अवधि थी। जहाज के 295वें दिन समुद्र में रहने से पिछले 50 वर्षों की सबसे लंबी तैनाती का रिकॉर्ड टूट गया। यह तैनाती 2020 में लिंकन द्वारा 294 दिनों की पिछली सबसे लंबी तैनाती से अधिक थी। उस समय लिंकन को कोविड-19 महामारी के दौरान भेजा गया था। हालांकि, फोर्ड की 295 दिनों की तैनाती शीत युद्ध के दौरान की सबसे लंबी तैनाती से कम है। वह रिकॉर्ड अब निष्क्रिय हो चुके यूएसएस मिडवे के पास है। मिडवे को 1972 और 1973 में 332 दिनों के लिए तैनात किया गया था। हाल ही में, यूएसएस निमित्ज का दल 2020 और 2021 में कुल 341 दिनों तक घर से दूर रहा था। फोर्ड ने अपनी तैनाती भूमध्य सागर की ओर बढ़कर शुरू की थी। अक्टूबर 2025 में इसे कैरेबियन सागर की ओर मोड़ दिया गया। यह दशकों में क्षेत्र में सबसे बड़े नौसैनिक निर्माण का हिस्सा था। विमानवाहक पोत ने मादुरो को पकड़ने के सैन्य अभियान में भाग लिया। ईरान के साथ तनाव बढ़ने पर यह मध्य पूर्व की ओर बढ़ा। मार्च 2026 की शुरुआत में यह स्वेज नहर से होते हुए लाल सागर में गया।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: वोटिंग राइट्स एक्ट कमजोर, ओबामा-हैरिस ने बताया लोकतंत्र के लिए काला दिन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चुनावी कानून को लेकर एक बड़ा और विवादास्पद फैसला सामने आया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लुइसियाना बनाम कैलाइस मामले में 6-3 के बहुमत से ऐसा निर्णय दिया, जिसने वोटिंग राइट्स एक्ट की धारा 2 के प्रभाव को काफी हद तक सीमित कर दिया है। इस फैसले के बाद अब किसी भी चुनावी नक्शे को नस्लीय आधार पर चुनौती देना पहले से कहीं ज्यादा कठिन हो जाएगा। कोर्ट के इस निर्णय ने अमेरिका की राजनीति और नागरिक अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

क्या है पूरा मामला : इस फैसले को जस्टिस सैमुअल अलिटो ने लिखा। उन्होंने कहा कि अदालत को यह मानकर चलना चाहिए कि राज्य सरकारें सद्भावना में काम कर रही हैं। कोर्ट ने नस्लीय गेरिमैंडरिंग और राजनीतिक गेरिमैंडरिंग के बीच फर्क को और स्पष्ट किया। 2019 के एक फैसले के अनुसार, राजनीतिक आधार पर बनाए गए नक्शों को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। अब नए फैसले के बाद, अगर कोई यह साबित करना चाहता है कि नक्शा नस्लीय भेदभाव के लिए बनाया गया है, तो उसे और अधिक ठोस सबूत पेश करने होंगे।

ओबामा और हैरिस की तीखी प्रतिक्रिया : पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले की कड़ी आलोचना की है, जो मतदान अधिकारों से जुड़ा है। ओबामा ने कहा कि यह फैसला वोटिंग राइट्स एक्ट के एक अहम हिस्से को कमजोर करता है। उनके अनुसार इससे राज्यों को यह मौका मिल सकता है कि वे चुनावी क्षेत्रों की सीमाएं ऐसे तरीके से बदलें, जिससे काले और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों का वोटिंग असर कम हो जाए। उन्होंने कहा कि अगर राज्य इसे राजनीतिक वजह बताकर करें, तो इसे रोकना मुश्किल होगा। ओबामा ने इसे लोकतंत्र के लिए एक झटका बताया, लेकिन लोगों से अपील की कि वे हर चुनाव में ज्यादा से ज्यादा वोट करें और सक्रिय रहें। कमला हैरिस ने इस फैसले को सत्ता हथियाने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि कानून की धारा-2 के तहत ब्लैक और ब्राउन वोटर्स को संघीय सुरक्षा मिलती थी। अब भेदभाव रोकने वाला यह प्रावधान कमजोर होगा। उनके अनुसार कुछ राज्य, खासकर दक्षिणी अमेरिका में, जल्द ही चुनावी नक्शे बदल सकते हैं ताकि अपने राजनीतिक फायदे के लिए सीटों को सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इससे आम लोगों की समस्याएं जैसे महंगाई, गैस, घर और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों से ध्यान हट जाता है।

13 वर्षीय मासूम से दरिंदगी करने वाले को आज फांसी: 50 साल बाद मिला न्याय, दोषी को दिया जाएगा मौत का इंजेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में लगभग पांच दशक पुराने जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिए गए जेम्स अर्नेस्ट हिचकॉक को आज शाम मौत की सजा दी जाएगी। 70 वर्षीय हिचकॉक को 13 वर्षीय सौतेली भतीजी के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया था।

कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, 31 जुलाई 1976 को हिचकॉक अपने भाई के घर में रह रहा था। घटना वाले दिन वह दोस्तों के साथ कई घंटों तक शराब पीने और मारिजुआना का सेवन करने के बाद घर लौटा। इसके बाद उसने 13 वर्षीय मासूम के कमरे में जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की ने कहा कि वह घायल है और अपनी मां को सब कुछ बताएगी, तो हिचकॉक ने उसे कमरे से बाहर जाने से रोकने की कोशिश की और फिर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, वह लड़की को घर के बाहर ले गया, जहां उसने उसे पीटा और गला दबाया, जब तक कि वह पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हो गई। इसके बाद उसने शव को पास की झाड़ियों में फेंक दिया। वारदात के बाद हिचकॉक घर लौटा, नहाया और सो गया।

ट्रायल के दौरान बदला बयान : ट्रायल के दौरान हिचकॉक ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि हत्या उसने नहीं बल्कि उसके भाई ने की थी। उसने दावा किया कि लड़की के साथ सहमति से संबंध बनाने के बाद उसका भाई कमरे में आया, उसे बाहर ले गया और गुस्से में उसकी पिटाई व गला घोंटकर हत्या कर दी। हिचकॉक ने कहा कि उसने अपने भाई को बचाने के लिए पहले अपराध अपने ऊपर लिया था।

सजा और लंबी कानूनी लड़ाई : हिचकॉक को 1977 में पहली बार मौत की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अपीलों और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते उसे 1988, 1993 और 1996 में दोबारा मौत की सजा सुनाई गई। हाल ही में फ्लोरिडा सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी रोकने की अपील खारिज कर दी। उसके वकीलों ने दलील दी थी कि वह निर्दोष है और राज्य ने उसे मृत्युदंड से जुड़े सार्वजनिक रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं दी, जिससे उसके बचाव का अधिकार प्रभावित हुआ। फिलहाल उसकी अंतिम अपील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

फ्लोरिडा में बढ़ती मृत्युदंड की संख्या : यह इस साल फ्लोरिडा में छठी फांसी होगी। राज्य के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के कार्यकाल में 2025 में रिकॉर्ड 19 लोगों को फांसी दी गई थी, जो 1976 में मृत्युदंड बहाल होने के बाद किसी भी साल में सबसे ज्यादा है। 2014 में आठ फांसी का पिछला रिकॉर्ड था, जिसे 2025 में पीछे छोड़ दिया गया। फ्लोरिडा में 21 मई को एक और मृत्युदंड प्रस्तावित है। 47 वर्षीय रिचर्ड नाइट को अपनी कजिन की गर्लफ्रेंड और उसकी चार साल की बेटी की हत्या के मामले में मृत्युदंड दिया जाना है। साल 2025 में पूरे अमेरिका में कुल 47 लोगों को मृत्युदंड दी गई। फ्लोरिडा इस मामले में सबसे आगे रहा, जबकि अलबामा, साउथ कैरोलाइना और टेक्सास दूसरे स्थान पर रहे, जहां पांच-पांच मृत्युदंड दिया गया।

ट्रंप को धमकी देने के आरोप में फंसे एफबीआई के पूर्व प्रमुख, ट्रंप बोले- जेम्स कोमी बुरे और भ्रष्ट आदमी हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एफबीआई के पूर्व प्रमुख जेम्स कोमी पर बुधवार को तीखा हमला बोला और जेम्स कोमी को बुरा और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी बताया। जेम्स कोमी, डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की कथित धमकी देने के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। जेम्स कोमी ने एक रहस्यमयी पोस्ट किया था, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप को धमकाने के तौर पर देखा जा रहा है।

ट्रंप ने जेम्स कोमी को लेकर क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'अगर कोई भी अपराध के बारे में जानता है तो उन्हें पता होगा कि 86 का मतलब क्या होता है। इसे अपराध की भाषा में हत्या करने के तौर पर देखा जाता है। आपने फिल्मों में देखा होगा कि अपराधी अपने सहयोगियों से किसी के लिए कहते हैं कि उसकी हत्या कर दो और इसके लिए 86 नंबर का इस्तेमाल करते हैं।' ट्रंप ने कहा कि उनकी जान खतरे में थी और जेम्स कोमी जैसे लोग खतरनाक हो सकते हैं। जेम्स कोमी एक बुरे और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी की। उन्होंने हिलेरी क्लिंटन की मदद की।

कोमी पर ट्रंप को धमकी देने का है आरोप : जेम्स कोमी, अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं और साल 2017 में ट्रंप ने उन्हें पद से हटा दिया था। बीते साल मई में जेम्स कोमी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में पत्थरों की एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें पत्थरों को इस तरह से रखा गया था कि वे '86 47' नंबर दर्शा रहे थे। इसे राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी माना गया। आपराधिक और कानूनी जगत में 86 नंबर को हत्या करने के कोडवर्ड के रूप में जाना जाता है। वहीं 47 को डोनाल्ड ट्रंप से जोड़ा जा रहा है क्योंकि वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं। हालांकि जेम्स कोमी ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि वे निर्दोष हैं और उन्हें किसी का डर नहीं है। कोमी ने न्याय विभाग की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और कहा कि न्याय विभाग ऐसे काम नहीं करता।

जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई उत्तरी कैरोलिना में हो रही इसी पोस्ट के लिए अमेरिका के न्याय विभाग ने जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसकी सुनवाई उत्तरी कैरोलिना की संघीय अदालत में हो रही है। राष्ट्रपति को धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज होने के बाद बुधवार को जेम्स कोमी ने आत्मसमर्पण कर दिया। हालांकि 10 मिनट सुनवाई के बाद उन्हें जाने दिया गया। फिलहाल अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तय नहीं की है।

ट्रंप का डबल अटैक: ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी को बताया जीनियस, कहा- परमाणु हथियार छोड़े बिना नहीं होगी कोई डील

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे जीनियस बताते हुए साफ कहा कि जब तक ईरान अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म नहीं करता, तब तक कोई समझौता नहीं होगा।

ट्रंप ने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यह पूरी तरह सफल और फुलप्रूफ रही है। उनके मुताबिक, इससे अमेरिकी नेवी की ताकत साफ नजर आती है और अब कोई भी देश अमेरिका के सामने चालबाजी नहीं कर पाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पहले कार्यकाल से ही सेना को लगातार मजबूत किया गया है, जिससे आज अमेरिका दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकत बन चुका है। आगे बोलते हुए ट्रंप ने वेनेजुएला और ईरान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला की सेना कुछ ही समय में ढह गई थी और ईरान के मामले में भी अमेरिका ने सैन्य रूप से उसे पूरी तरह कमजोर कर दिया है। उनके अनुसार, ईरान की नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है और उसकी वायुसेना भी अब प्रभावी भूमिका निभाने की स्थिति में नहीं है।

नो न्यूक्लियर, तभी डील- ट्रंप का स्पष्ट संदेश : ट्रंप ने दो टूक कहा कि कोई भी समझौता तभी संभव है जब ईरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा पूरी तरह छोड़ दे। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अब बातचीत पहले की तरह आमने-सामने नहीं बल्कि फोन के जरिए हो रही है। ट्रंप के अनुसार, इस नाकेबंदी से ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है और देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नाकेबंदी के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार पर भी असर पड़ा है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। डिप्लोमैटिक कोशिशों पर ट्रंप ने कहा कि बातचीत का सिलसिला जारी है, लेकिन अब तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया कि हर बार लंबी उड़ान भरकर आमने-सामने मिलने के बजाय अब अधिकतर बातचीत फोन के जरिए हो रही है, जिससे प्रक्रिया आसान और तेज हो गई है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि आमने-सामने बातचीत को वह अब भी ज्यादा प्रभावी मानते हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने जानकारी दी कि अब तक 42 व्यापारिक जहाजों को वापस लौटाया जा चुका है, जो नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान के समुद्री व्यापार पर बड़ा असर डाल रही है और अमेरिकी सेना लगातार निगरानी बनाए हुए है। ईरान का प्रस्ताव और अमेरिका का रुख मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने शर्तों के साथ युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें नाकेबंदी हटाने की मांग शामिल है। हालांकि अमेरिका ने फिलहाल इस पर सख्त रुख अपनाया है और साफ कर दिया है कि परमाणु कार्यक्रम पर समझौता किए बिना कोई राहत नहीं दी जाएगी। होर्मुज जलडमरूमध्य बना तनाव का केंद्र स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इस समय अमेरिका-ईरान तनाव का सबसे अहम केंद्र बना हुआ है। यह दुनिया के सबसे व्यस्त तेल मार्गों में से एक है, जहां सामान्य दिनों में रोजाना 100 से अधिक जहाज गुजरते थे, लेकिन मौजूदा संकट में यातायात काफी कम हो गया है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी उत्पादन की उन्नत तकनीक

ग्रीष्मकालीन सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है। ग्रीष्मकाल में भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते है। मुख्य रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट खनिज लवणों के अतिरिक्त विटामिन 'ए', 'सी' थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। इस लेख में ग्रीष्मकालीन भिंडी की उत्पादन तकनीक की विवेचना की गयी है:-

जलवायु एवं भूमि की तैयारीः- भिंडी के उत्पादन हेतु गर्म मौसम अनुकुल होता है। बीजों के अंकुरण हेतु 20 सेंटीग्रेड से कम का तापमान प्रतिकूल होता है। 42 सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर फूल का परागण नहीं होता है एवं फूल गिर जाते है।

सामान्यतः भिंडी की खेती सभी प्रकार की भूमियों पर की जा सकती है परन्तु हल्की दोमट मिट्टी जिसमें पर्याप्त मात्रा में जीवांश उपलब्ध हो एवं उचित जल निकास की सुविधा हो, भिंडी की खेती हेतु श्रेष्ठ होती हैं। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भूरभूरा कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में- अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति, पूसा-ए-4, वर्षा उपहार,

बीज एवं बीजोपचारः- ग्रीष्मकालीन फसल हेतु 18-20 कि.ग्रा. बीज एक हेक्टर बुवाई के लिए पर्याप्त होता है जबकि वर्षाकालीन फसल में अधिक बढ़वार की कारण 12-15 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर उपयोग करना चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी के बीजों को बुवाई के पूर्व 12-24 घंटे तक पानी में डुबाकर रखने से अच्छा अंकुरण होता है। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम थायरम या कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीजदर से उपचारित करना चाहिए। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है।

बुवाईः- ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में की जाती है। फिर भी अगेती फसल हेतु छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 15 जनवरी के बाद भी बुवाई की जा सकती हे। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे की मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है।

पोषण प्रबंधनः- भिंडी की बुवाई के दो सप्ताह पूर्व 250-300 क्विंटल सड़ा हुआ गोबर खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। प्रमुख तत्वों में नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश क्रमशः 60 कि.ग्रा., 30 कि.ग्रा. एवं 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

जलप्रबंधनः- यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो बुवाई के पूर्व एक सिंचाई करनी चाहिए। गर्मी के मौसम में प्रत्येक पांच से सात दिन के अंतराल पर सिंचाई आवश्यक होती है। बरसात में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा अतिवृष्टि के समय उचित जलनिकास प्रबंध करना चाहिए।

निदाई-गुड़ाईः- नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक नींदानाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। बासालिन को 1.2 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व को प्रति हेक्टर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

फल की तोड़ाई एवं उपजः- किस्म की गुणता के अनुसार 45-60 दिनों में फलों की तुड़ाई प्रारंभ की जाती है एवं 4 से 5 दिनों के अंतराल पर नियमित तुड़ाई की जानी चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी फसल में उत्पादन 60-70 क्विंटल प्रति हेक्टर तक होता है।

पौध संरक्षणः- भिंडी के प्रमुख रोग पीत शिरा मौजक एवं चूर्णिल आसिता एवं नुकसानदायक कीट प्ररोह एवं फल छेदक तथा जैसिड है।

पीत शिरा रोगः- यह भिंडी की फसल में नुकसान पहुचाने वाला प्रमुख रोग है। इस रोग के प्रकोप से सर्वप्रथम पत्तियों की शिराएं पीली पड़ने लगती है। तत्पश्चात पूरी पत्तियाँ एवं फल भी पीले रंग के हो जाते है पौधे की बढ़वार रुक जाती है। वर्षा ऋतु में इस रोग का संक्रमण अधिक होता है।

सर्वप्रथम इस रोग के लक्षण वाले पौधे दिखाई देते ही उन्हें उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। यह विषाणु जनित रोग सफेद मक्खी कीट द्वारा स्वस्थ पौधों में फैलाया जाता है। अतः रोग संवाहक कीट के नियंत्रण हेतु आक्सी मिथाइल डेमेटान 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने से रोग का प्रसारण कम होता है। पीतशिरा रोग प्रतिरोधी किस्मों जैसे अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति इत्यादि का चुनाव करना चाहिए। फसल के चारों ओर 2-3 कतार मक्का बोने से भी रोग का फैलाव नियंत्रित किया जा सकता है।

चूर्णिल आसिताः- इस रोग में भिंडी की पुरानी निचली पत्तियों पर सफेद चूर्ण युक्त हल्के पीले धब्बे पड़ने लगते है। ये सफेद चूर्ण वाले धब्बे काफी तेजी से फैलते है। इस रोग का नियंत्रण न करने पर पैदावार 30 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इस रोग के नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 या 3 बार 12-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

प्ररोह एवं फल छेदकः- इस कीट का प्रकोप वर्षा ऋतु में अधिक होता है। प्रारंभिक अवस्था में इल्ली कोमल तने में छेद करती है जिससे तना सूख जाता है। फूलों पर इसके आक्रमण से फल लगने के पूर्व फूल गिर जाते है। फल लगने पर इल्ली छेदकर उनको खाती है जिससे फल मुड़ जाते हैं एवं खाने योग्य नहीं रहते है।

जैसिडः- ये सुक्ष्म आकार के कीट पत्तियों, कोमल तने एवं फल से रस चूसकर नुकसान पहुंचाते है।

फल छेदक के द्वारा आक्रमण किये गये फलों एवं तने को काटकर नष्ट कर देना चाहिए। क्विनॉलफास 25 ई.सी. 1.5 मिली लीटर या इंडोसल्फान 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की दर से कीट प्रकोप की मात्रा के अनुसार 2-3 बार छिड़काव करने से जैसिड एवं फल प्ररोह छेदक कीटों का प्रभावी नियंत्रण होता है। फल बनने के उपरांत कीट प्रकोप होने पर 'फेनवेलरेट' 0.5 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर उपर्युक्त बनाये कीटनाशक के साथ अदल-बदल कर प्रयोग करें।

कैसे करें संरक्षित खेती

संरक्षित खेती का मुख्य उद्देश्य सब्जी फसलों को मुख्य जैविक या अजैविक कारकों से बचाकर उगाना होता है। इसमें फसल को किसी एक कारक या कई कारकों से बचाकर उगाया जा सकता है।

संरक्षित सब्जी उत्पादन के लिए सब्जी उत्पादकों को संरक्षित खेती व विभिन्न संरक्षित संरचनाओं की पूर्ण जानकारी होना बहुत आवश्यक है। उसके बाद ही उत्पादक तय कर सकता है कि वह किस प्रकार की संरक्षित तकनीक अपनाकर बेमौसमी सबजियों का उत्पादन करे। कौन कौन सी संरक्षित प्रौद्योगिकीयॉं हैं जिनमे वह सबजियों को वर्ष भर उगा सकता है। संरक्षित संरचनाओं को बनाने के बाद में रख रखाव में क्या व्यय होगा तथा उच्च गुणवत्ता वाली सबजियों को वह किस बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकता है। इन सभी विषयों की जानकारी आवश्यक है।

मुख्यतः सब्जी उत्पादन हेतू उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता उस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। लेकिन इसके अलावा किसान की आर्थिक दशा, टिकाऊ व उच्च बाजारकी उपलब्धता व बिजली की उपलब्ध्ता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते है। सब्जीयों के बेमौसमी उत्पादन हेतू मुख्यत : वातावरण अनुकूलित ग्रीनहाउस, प्राकृतिक वायु संचारित ग्रीनहाउस, कम लागत वाले पॉलीहाउस, वाक-इन-टनल, कीट अवरोधी नेटहाउस तथा लो प्लास्टिक टनल आदि संरचनाओं का उपयोग किया जाता है।

बेमौसमी सब्जियों की संरक्षित खेती के लिए सबजियों की पौध प्लग ट्रे पद्धती से ग्रीनहाउस मे तैयार की जाती है। तथा उसके बाद पौधो को उपयुक्त संरक्षित संरचना में रोपाई करते है।

वाक-इन- टनल तकनीक

वाक-इन- टनल एक प्रकार की अस्थाई संरक्षित संरचना है जो आधा इंच मोटाई के जंग रोधी पाईपों को अर्धगोलाकार आकार मे मोड़कर तथा इन्हे सरियों के टुकड़ो के सहारे खेत में खड़ा करके उसके उपर पारदर्शी प्लास्टिक की चादर से ढककर बनाया जाता है। इसके मध्य में ऊंचाई लगभग 6 से 6.5 फुट तथा जमीन पर एक सिरे से दूसरे सिरे तक चौड़ाई 4 मीटर तक होती है।

इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं को सर्दी के मौसम में बेमौसमी सब्जी जैसे लौकी, खरबूजा, तरबूज, खीरा, चप्पनकद्दू , तथा अन्य कद्दू वर्गीय सब्जीयां उगाने के लिए किया जाता है। इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं में दिन के समय जब सूर्य की रोशनी प्लास्टिक पर मडती है तो टनल के अन्दर का तापमान काफी (लगभग 10 से 12 डि.ग्री से.) बढ जाता है । जिससे कद्दू वर्गीय सब्जीयों को कम तापमान के दिनो में भी बढवार करने में सफलता मिल जाती है।

वाक-इन- टनल की लम्बाई आवश्यकता अनुसार बढाई जा सकती है। लेकिन सामान्यतः इनकी लम्बाई 25 से 30 मीटर होती है। इसके तीन प्रमुख कारण हैं- प्लास्टिक की चादर की उपलब्ध माप, टनल में हवा का आदान प्रदान, तथा इस लम्बाई के टनल में मधुमक्खीयों को भी परागण कार्य करने में कोई असुविधा नही होती। इन संरचनाओं को बनाने में लागत भी बहुत कम ही आती है। तथा अस्थाई होने के कारण इनकी देखभाल भी सरलता पूर्वक की जा सकती है।

इन संरचनाओं का उपयोग केवल सर्दी के मौसम (दिसम्बर जनवरी व फरवरी माह) में ही फसल उत्पादन के लिए किया जा सकता है। क्योंकि सर्दी के बाद इसके अंदर का तापमान बहुत अधिक बढ जाता है तथा हवा का अधिक आदान प्रदान न होने के कारण तब इनमे फसल उगाना संभव नही होता है। यही नही इनका उपयोग पहाडी क्षेत्रों मे और भी लम्बे समय तक सब्जी उत्पादन के लिए किया जाता है। इसी प्रकार इन संरचनाओं को ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों मे भी सब्जी उत्पादन के लिए उपयोग मे लाना सम्भव है।

छतरपुर के गांधी आश्रम में जैविक खेती का अद्भुत प्रयोग

यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले हैं - संजय और दमयंती। जिस बुदेलखंड में पिछले पांच सालों में भयंकर सूखे से किसानों की कमर टूट गई है, उसी धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां खुशियों की खेती लहलहा रही है। विदर्भ के बाद मध्यप्रदेश में किसानों की बढ़ती आत्महत्याओं के बीच खेती का यह प्रयोग एक मिसाल पेश करता है। यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले है संजय और दमयंती और जगह है छतरपुर।

टिकाऊ खेती की बात से पहले आपको थोड़ा सा इतिहास जानना जरूरी होगा। गांधी आश्रम छतरपुर ऐतिहासिक महत्व की जगह है। अंग्रेजी शासन काल के बाद दीवान साहब के बंगले से यह जगह गांधी विचारों को आगे ले जाने का एक केन्द्र बनी। तत्कालीन दीवान ने विनोबा के भूदान आंदोलन से प्रेरित होकर इस बंगले और बंगले से लगी जमीन को गांधी विचारों के लिए समर्पित कर दिया। उसके बाद इसे गांधी आश्रम के नाम से विकसित किया गया। सांस्कृतिक-साहित्यिक-सामाजिक गतिविधियों को यहां से संचालित किया जाता रहा। सत्तर के दशक में जब चंबल में डाकुओं का आतंक अपने चरम पर पहुंचकर आत्मसमर्पण की ओर बढ़ा तब इस प्रक्रिया की बुनियाद इसी आश्रम के पुस्तकालय से पड़ी। जयप्रकाश नारायण के साथ यहां डाकुओं की बातचीत हुई और इसके बाद डाकुओं ने आत्मसमर्पण भी किए। गांधी का ग्रामस्वराज, बुनियादी तालीम और टिकाऊ विकास की अवधारणाओं की झलक इस छोटे से आश्रम में दिखाई देती है। बीच में एक लंबा दौर ऐसा भी आया जब यह आश्रम भूमाफियों और सामाजिक गतिविधियों के केन्द्र में तब्दील हो गया।

2006 में गांधी विचारों से जुड़े संजय और दमयंती जब इस जगह आए तो उन्होंने ठान लिया कि यहां की तस्वीर को बदलने के लिए वह कठिन परिश्रम करेंगे। खेती-किसानी और प्रकृत्ति प्रेमी भाई ने इस आश्रम से लगे लगभग चालीस

एकड़ खेत में जैविक खेती के प्रयोग को शुरू करने की योजना बनाई। एक ओर जहां नकद फसलों ने फसलों की विविधता को खत्म कर दिया है वहीं इस आश्रम में उन्होंने अलग-अलग फसलों को अपनाया। इस छोटी सी जमीन पर गेहूं, चना, सरसों, अरहर, ज्वार, मक्का, जौं सहित ऐसी फसलें लीं जो सीधे-सीधे किसान अपने खाने के लिए भी उपयोग करते हैं। दरअसल खेती का परंपरागत तरीका था भी यहीं कि किसान ज्यादातर खाद्यान्न और मसाले अपने खेतों में पैदा किया करते थे और उन्हें हर चीज के लिए बाजार की ओर मुंह नहीं देखना पड़ता था, अब किसान गेहूं-सोयाबीन पैदा तो खूब कर रहे हैं, लेकिन दाल-मसालों के लिए वह बाजार पर निर्भर है। खेती की इस विविधता से आश्रम की व्यवस्थाएं भी स्वतः संचालित होती है। यहां तक की सब्जी और फलों का उत्पादन भी आश्रम से ही हो जाता है। इस खेती की सबसे बड़ी बात यह है कि पिछले चार सालों से यहां रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया। वर्मी कम्पोस्ट और गोमूत्र के जरिए यहां की फसलों को जान मिलती है। 40 एकड़ के इस क्षेत्र को आश्रम के केवल सात कार्यकर्ता अंजाम देते हैं। संजय भाई बताते हैं कि आज के इस दौर में जैविक खेती करना थोड़ा कठिन जरूर लग सकता है पर यह असंभव कतई नहीं है। हम अपने खेतों में उतना ही समय खर्च करते हैं जितना दूसरे किसान। पर यहां आपको यह समझना होगा कि जमीन क्या चाहती है। किस तरह की जमीन पर किस तरह के फसल ठीक रहेगी यह समझना होगा।इस आश्रम की एक खास बात यह है कि आप यहां पूरी तरह जैविक भोजन का आनंद ले सकते हैं। यहां तक की दाल-मसाले और तेल भी खुद की उगाई गई तिल का। इस आश्रम में चल रही खेती के प्रयोग को समझने फ्रांस के निकोलस आए हैं। निकोलस कहते हैं कि 'वह भारत में जैविक खेती के अलग-अलग प्रयोगों को उन्होंने देखा, लेकिन यह प्रयोग सबसे अद्भुत है। इसलिए भी क्योंकि यह गांधी के विचारों से जुड़ा हुआ है। गांधी ग्राम स्वराज की बात करते थे और गांव की अर्थव्यवस्था के एक मॉडल की बात करते थे जहां कि ग्रामवासी आपसी व्यवहार में अपने साझा जीवन को अंजाम देते थे। यह प्रयोग अपने आप में दिलचस्प है।' यही कारण है कि वह न केवल इस खेती पर अध्ययन कर रहे हैं बल्कि इस प्रयोग के साथ इतना रम गए हैं कि वह खुद खेतों में पसीना बहाते हैं। बिहार के सामाजिक कार्यकर्ता भावेश भी इस प्रयोग के साथ जुड़कर काम कर रहे हैं। वह कहते हैं कि कम लागत की इस खेती को जीवन के साथ जोड़कर भी देखा जाना जरूरी है।

एक नजर

आटागाड़ नदी में ब्लीचिंग पाउडर से मर रहीं मछलियां

चमोली। जसपुर–उज्ज्वलपुर मार्ग के आटागाड़ और जसपुर व आसपास की नदियों में बड़ी संख्या में मृत मछलियां मिल रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार मछुआरे मछली पकड़ने के लिए भारी मात्रा में ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग कर रहे हैं जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है और जलीय जीवों को नुकसान पहुंच रहा है। संदीप बहुगुणा, दिनेश चंद्र, भगवती प्रसाद, हरीश चंद्र ने कहा कि ब्लीचिंग पाउडर जलीय जीवों की मृत्यु का कारण बनता है। यह जल स्त्रोतों की गुणवत्ता बिगाड़कर मानव स्वास्थ्य को भी हानि पहुंचा सकता है। उन्होंने नदियों और गदेरों में ब्लीचिंग पाउडर डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर धनपुर रेंज के रेंजर एनके नेगी ने बताया कि संबंधित क्षेत्र के कर्मचारियों की गश्त बढ़ाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जीएमवीएन से गडोली पुल तक लगेंगी सिंगल आर्म लाइटें

चमोली। गैरसैंण नगर पंचायत की ओर से नैनीताल हाईवे पर जीएमवीएन से गडोली पुल तक सिंगल आर्म लाइटें लगाई जाएंगी। लाइटों के लगने से जहां अंधेरे की समस्या दूर होगी वहीं हाईवे से गुजरने वाले लोगों को यह आकर्षित भी करेगी। नगर पंचायत की ओर से इसकी निविदा जारी की गई है। नगर पंचायत की ओर से नगर क्षेत्र को लगातार सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत नपं की ओर से हाईवे के किनारे सिंगल आर्म लाइटें लगाई जा रही हैं। जीएमवीएन से गडोली पुल तक एक किमी में 72 लाइटें लगाई जाएगी जिसके लिए 82 लाख की निविदा जारी की गई है। नगर पालिका अध्यक्ष मोहन भंडारी ने कहा कि नगर क्षेत्र को साफ और स्वच्छ बनाने के साथ सुंदर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं अधिशासी अधिकारी अरुण कुमार सैनी ने बताया कि एक दो दिन के भीतर निविदा खोल दी जाएगी।

नशा मुक्त शादी करने पर नवदंपति को किया सम्मानित

नई टिहरी। ग्राम पंचायत सौंदकोटी में नशा मुक्त विवाह संपन्न कराने वाले नवदंपति को ग्राम समाज सुधार समिति की ओर से प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। समिति ने दुल्हन अंकिषा और दूल्हा अजय को सम्मानित कर उनकी पहल की सराहना की। सौंदकोटी गांव निवासी धर्म सिंह नेगी और अनीता देवी की बेटी अंकिषा का विवाह बीते दिन कॉकटेल मुक्त संपन्न हुआ। विवाह समारोह में शामिल मेहमानों को शराब नहीं परोसी गई। शराब नहीं संस्कार मुहिम के प्रणेता सुशील बहुगुणा ने कहा कि नशा मुक्त विवाह समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं और इससे नई पीढ़ी को बेहतर संदेश मिलता है। इस मौके पर ग्राम प्रधान मंगल सिंह नेगी, वार्ड सदस्य कृष्णा नेगी, विनीता देवी, ग्राम सुधार समिति के अध्यक्ष सुजान सिंह आदि मौजूद रहे।

पार्किंग हो शुरू, मार्ग किया जाए दुरुस्त

चमोली। नगर क्षेत्र में पार्किंग, यातायात, नाली, अतिक्रमण सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र रावत ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से गोपेश्वर के गैस गोदाम, पोखरी बैंड व चमोली बाजार में बनी पार्किंग को चालू किया जाए। गोपेश्वर नगर के भीतर एनएच की नालियों में लगी जालियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं इनकी मरम्मत कराई जाए। पोखरी बैंड से कोठियालसैंण तक मार्ग संकरा होने से जाम की समस्या बनी रहती है। इसके लिए यहां यातायात पुलिस की तैनाती की जाए। गोपेश्वर में बस स्टैंड से पोस्ट ऑफिस तक मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने, गोपेश्वर–मंडल मार्ग पर गंगोलगांव के पास कॉजवे के पास मार्ग को दुरुस्त किया जाए।

बारिश के बीच नैनीझील में फंसी पैडल बोट

नैनीताल। नैनीताल में बीते गुरुवार को बारिश के दौरान झील में नौकायन से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक पैडल बोट में सवार पर्यटक झील के बीच फंसे नजर आ रहे हैं और किनारे पहुंचने के लिए लगातार प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। बारिश शुरू होने के बाद झील में नौका संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। इसके बावजूद एक पैडल बोट झील के बीच में ही तैरती रह गई। इसी दौरान झील किनारे मौजूद किसी ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज हवा के कारण पर्यटक बोट को किनारे लाने में असमर्थ रहे। काफी प्रयास के बाद जब हवा की गति कुछ कम हुई, तब वे सुरक्षित किनारे पहुंच सके। घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे लापरवाही और जान जोखिम में डालने वाला कदम बताया है। साथ ही स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका से झील में नौकायन के दौरान निगरानी रखने की मांग की है। हालांकि, पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल ने बताया कि नगर पालिका की टीम झील में नियमित रूप से निगरानी करती है।

मजदूरों के हित में प्रभावी योजनाएं लागू हों

नैनीताल। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के मौके पर शुक्रवार को पर्यटन आवास गृह में हार्ट आफ हिमालया संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने श्रमिकों के योगदान को याद किया। गोष्ठी में वक्ताओं ने मजदूरों के अधिकारों, उनके कल्याण और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम आयोजक प्रियंका जोशी ने कहा कि देश के निर्माण और विकास में मजदूर वर्ग की भूमिका अत्यंत अहम है। उन्होंने श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और संगठित होकर अपनी आवाज उठाने का आह्वान किया। साथ ही सरकार से मजदूरों के हित में प्रभावी योजनाएं लागू करने की मांग की गई। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष पंकज अद्वेती, लवेंद्र बीरा, विहिप जिलाध्यक्ष खजान चंद्र भट्ट, गिरीश चंद्र आदि मौजूद रहे।

नैनीझील किनारे मिलीं मरी मछलियां मिलने से नाराजगी

नैनीताल। नैनीझील में मछलियों के मरने का मामला सामने आया है। तल्लीताल पेट्रोल पंप के समीप झील किनारे मछली सड़ी–गली हालत में मिली। झील के अन्य स्थानों पर भी मरी हुई मछलियां उतराती देखी गईं। स्थानीय लोगों ने इसकी वजह पर्यटकों द्वारा मछलियों को बाहरी खाना दिया जाना बताया, जबकि पालिका ने आरोप निराधार बताए।

आशा कार्यकर्ताओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : समाज सेवा एवं शिक्षा समिति की ओर से बदरीनाथ मार्ग स्थित संस्था कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें आशा कार्यकर्ताओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि समाज को अंधविश्वास से मुक्त करने के लिए अधिक से अधिक लोगों में वैज्ञानिक सोच का प्रसार आवश्यक है। कार्यशाला में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य जसवीर सिंह रावत एवं पार्षद विपिन डोबरियाल ने आशा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें विज्ञान संचारक के रूप में विकसित करना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पोषण और टीकाकरण से जुड़ी कई भ्रांतियां आज भी प्रचलित हैं, जिन्हें दूर करने में आशा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इस दौरान दीपाली भाटिया ने उदाहरण देते हुए बताया कि अक्सर शिशुओं एवं गर्भवती महिलाओं के बीमार

होने पर झाड़-फूंक या नजर उतारने जैसे उपाय अपनाए जाते हैं, जबकि उन्हें उचित चिकित्सा उपचार की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि शिशु देखभाल में हमेशा प्रमाणिक और वैज्ञानिक जानकारी का ही उपयोग किया जाना चाहिए। प्रयागराज से आए मुख्य संदर्भ वक्ता प्रमोद मिश्रा ने भी अंधविश्वासों के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि हर तथाकथित चमत्कार के पीछे कोई न कोई वैज्ञानिक कारण होता है, जिसे समझने की आवश्यकता है। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक करें और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दें। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक पूर्णानंद गोस्वामी, सचिव सचिन नेगी, अनीता नेगी, विपिन सिंह, पवन कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से सक्रिय सहभागिता कर समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया।

कर्मचारियों ने किया आयुक्त कार्यालय का घेराव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पुरानी पेंशन बहाली की मांग के संबंध में विभिन्न जनपदों से जिला मुख्यालय पहुंचे शिक्षकों व सभी विभागों के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों ने कमिश्नरी का घेराव किया। उन्होंने अंशदायी पेंशन योजना का बहिष्कार करते हुए पूर्व की भांति कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने की मांग की। कहा कि कर्मचारियों के पास सेवानिवृत्ति के बाद केवल पेंशन ही बुढ़ापे का एकमात्र विकल्प है। ऐसे में कर्मचारी हित में पुरानी पेंशन बहाली की जानी चाहिए। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के बैनर तले शुक्रवार को विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, शिक्षकों व संगठनों के पदाधिकारी सुबह शहर के बस स्टेशन पर एकत्र हुए। पुरानी पेंशन बहाली के नारों व स्लोगन लिखी तख्तियों के साथ ढोल दमाऊं की थाप पर कर्मचारियों ने माल रोड, एजेंसी चौक, कंडोलिया रोड होते हुए गढ़वाल मंडलायुक्त कार्यालय तक आक्रोश रैली निकाली। आयुक्त कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष बीपी सिंह रावत ने कर्मचारियों को संबोधित करते सवाल उठाया कि जब जनप्रतिनिधियों को एक दिन भी विधायक बनने पर पेंशन की व्यवस्था की जा सकती है तो जीवन भर सरकारी सेवा करने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन क्यों नहीं दी जा सकती। जयदीप रावत ने चेतावनी दी कि कर्मचारियों के हितों की अनदेखी सत्ताधारी दल को महंगी पड़ सकती है। जल्द ही उनकी मांगों पर सरकार ने सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो आगामी विधानसभा चुनाव में सरकार को इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष महिला रनीता विश्वकर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मनोज अवस्थी, प्रदेश संयोजक विक्रम रावत, सीताराम पोखरियाल, शंकर भट्ट, कमलेश मिश्रा, शिव सिंह नेगी, कुलदीप कंडारी, विकास, अंकित आदि मौजूद रहे।

गंगोत्री जा रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त, पांच यात्री चोटिल

नई टिहरी। दिल्ली से गंगोत्री जा रहा एक टेंपो ट्रैवलर नगुन–सुवाखोली मोटर मार्ग पर नागराजा धार के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन में सवार पांच यात्री चोटिल हो गए। उन्हें एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार टेंपो ट्रैवलर में 23 यात्री सवार थे जो गंगोत्री धाम की ओर जा रहे थे। अपराह्न करीब 2:15 बजे नागराजा धार के पास अचानक वाहन के ब्रेक फेल हो गए। इससे वाहन अनियंत्रित होकर पहाड़ी से टकरा गया। गनीमत रही कि वाहन सड़क के बाहर खाई की ओर जाने के बजाय अंदर की तरफ नाली में फंस गया जिससे बड़ा हादसा बच गया। हादसे में कपिल अरोड़ा, डिंपी, ध्रुव, नीता और प्रेम दास (सभी निवासी पंतनगर, जगपुरा, दिल्ली) चोटिल हो गए। प्राथमिक उपचार के लिए सभी को

चिन्यालीसौड़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रभारी थानाध्यक्ष शिव शंकर उनियाल ने बताया कि वाहन चालक जगजीत सिंह निवासी कुरुक्षेत्र हरियाणा ने पूछताछ में ब्रेक फेल होने की बात कही है। उन्होंने बताया कि अन्य सभी यात्रियों को सुरक्षित दूसरे वाहन से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया जा रहा है।

जौनपुर के गांवों में 100 दिनों तक चलेगा टीबी उन्मूलन अभियान

नई टिहरी। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जौनपुर ब्लॉक के विभिन्न गांवों में आगामी सौ दिनों में शिविर आयोजित किए जाने है। सीएचसी थत्यूड़ की प्रभारी डॉ. मनीषा भारती ने लोगों से शिविर में स्वास्थ्य जांच करवाकर लाभ उठाने की अपील की है। बताया कि शिविर में पोर्टेबल एक्सरे मशीन से 14 वर्ष से ऊपर की महिला और पुरुषों के चेस्ट का निशुल्क एक्सरे किया जा रहा है। जांच के दौरान टीबी जैसे लक्षण दिखने पर संबंधित व्यक्ति के बलगम को जांच के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। अब तक क्षेत्र के अलमस, खट्ट, साबली, कांडी, मथलाऊं बैट सहित 12 गांवों में शिविर लगाकर लोगों की जांच की जा चुकी है। शिविर में गर्भवती महिलाओं और बुजुर्ग व्यक्तियों का वीपी, शुगर, हिमोग्लोबिन, एनसीडी स्क्रीनिंग आदि जांचें भी की जा रही है। निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया जा रहा है।

डेढ़ साल बाद घंटाकर्ण मंदिर परिसर में फिर शुरू हुई पानी की आपूर्ति

नई टिहरी। गजा तहसील के घंडियाल डांडा स्थित घंटाकर्ण मंदिर में पेयजल संकट से जूझ रहे श्रद्धालुओं और मंदिर समिति को आखिरकार राहत मिल गई है। करीब डेढ़ वर्ष से ठप पड़ी पेयजल आपूर्ति अब फिर से सुचारु हो गई है। घंटाकर्ण मंदिर परिसर में पानी की कमी लंबे समय से बड़ी समस्या बनी हुई थी। दिसंबर 2024 में पंपिंग योजना की मोटरें जलने के बाद आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई थी। घंटाकर्ण मंदिर तक पानी पहुंचाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। वर्ष 2020 में तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष सोना सजवाण की पहल पर सोलर पंपिंग सिस्टम के जरिये मंदिर तक पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। इससे कुछ समय तक राहत मिली लेकिन दिसंबर 2024 में पंपिंग योजना की मोटरें जलने से पूरी व्यवस्था ठप हो गई। इसके बाद मंदिर में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई थी। इस कारण श्रद्धालुओं के साथ ही मंदिर समिति को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसके चलते मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को अपने साथ ही पानी लाना पड़ रहा था। मंदिर की दैनिक व्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही थीं। कई बार दूरस्थ स्त्रोतों से पानी ढोकर

लाना पड़ता था। स्थिति गंभीर होने पर मंदिर समिति ने गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी से पेयजल और बिजली व्यवस्था बहाल करने की मांग की। स्थानीय लोगों की मांग पर सांसद निधि से छह लाख रुपये की धनराशि जारी की गई थी। फरवरी 2025 में जिला ग्राम्य विकास अभिकरण (डीआरडीए) ने धनराशि जारी करते हुए घंटाकर्ण धाम ट्रस्ट को कार्यदायी संस्था के रूप में मरम्मत कार्य की अनुमति दी।

समय लग रहा मगर चूल्हे पर बने खाने में है घर जैसा स्वाद

चमोली। व्यावसायिक गैस की किल्लत से भले ही होटल–ढाबा संचालक परेशानी झेल रहे हों लेकिन इन प्रतिष्ठानों में लकड़ी के चूल्हे पर बन रहा खाना सभी को खूब पसंद आ रहा है। बदरीनाथ धाम में ब्रह्मकपाल की कैंटीन में भी चूल्हे पर खाना बन रहा है। तीर्थ पुरोहितों का कहना है कि इस खाने में घर जैसा स्वाद है। ब्रह्मकपाल में पिंडदान, तर्पण व अन्य कार्य करने वाले तीर्थ पुरोहितों के लिए वहां पर एक कैंटीन है। यहां 70 से अधिक तीर्थपुरोहित रोज खाना खाते हैं लेकिन व्यावसायिक गैस की किल्लत के कारण यहां पर लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा है। कैंटीन संचालक धीरज नेगी का कहना है कि लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा है लेकिन इसमें समय अधिक लग जाता है। वहीं ब्रह्मकपाल के तीर्थ पुरोहित मदन कोठियाल व हरीश सती का कहना है कि चूल्हे पर बने खाने में घर जैसा स्वाद है। वहीं धाम में इन दिनों मौसम बदलने से ठंड भी बढ़ रही है। चूल्हे की आग से ठंड से भी निजात मिल रही है।

कौंज पोथनी गांव में बांटे 135 घरेलू सिलिंडर

गोपेश्वर। दशोली ब्लॉक के आपदा प्रभावित कौंज पोथनी गांव में शुक्रवार को डेढ़ माह बाद घरेलू गैस सिलिंडर बांटे गए। गैस एजेंसी गोपेश्वर की ओर से क्षेत्र में 135 घरेलू गैस सिलिंडर बांटे गए। वहीं गोपेश्वर और चमोली नगर क्षेत्र के होटल और रेस्टोरेंट में 72 व्यावसायिक सिलिंडरों का वितरण किया गया।

नशा मुक्ति का संदेश लेकर गांवों की ओर रवाना हुआ रथ

नई टिहरी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से जिले में नशा उन्मूलन के लिए विशेष प्रचार वाहन को ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया। बौराड़ी स्थित गणेश चौक से नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, सीएमओ डॉ. श्याम विजय सिंह, पुलिस उपाधीक्षक चंद्रमोहन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। प्रचार वाहन में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से चलचित्र दिखाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान के तहत अगले छह माह में यह वाहन जिले के 1049 ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को नशा न करने के लिए प्रेरित करेगा। इस मौके पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सीमा कृषाली, कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष आशा रावत, ब्रह्माकुमारी के गढ़वाल संभाग निरीक्षक मेहर चंद, नागरिक मंच के अध्यक्ष सुंदर लाल उनियाल, डॉ. रीना सिंह, कमल सिंह मेहर, सतीश थपलियाल आदि मौजूद रहे।

पीपलडाली–रजाखेत मार्ग के जख्म भरने को 10 लाख मंजूर

नई टिहरी। पीपलडाली–रजाखेत मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति से जूझ रहे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। करीब दो साल के इंतजार के बाद सड़क के किमी 1 से 10 तक पैचवर्क के लिए 10 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। यह मार्ग लंबे समय से जर्जर हालत में था। जगह–जगह गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों, खासकर दोपहिया चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कई स्थानों पर टायर फंसने और फिसलने से दुर्घटना का खतरा बना रहता था। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने से हालात और खराब हो जाते थे, जिससे राहगीरों को भी परेशानी झेलनी पड़ती थी। पीपलडाली–रजाखेत मार्ग

प्रतापनगर, जाखणीधार और भिलंगना ब्लॉक के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। लंबे समय तक लोनिवि द्वारा उपेक्षा के चलते स्थानीय लोग लगातार मरम्मत की मांग कर रहे थे। बीते अक्तूबर में किया गया पेचवर्क भी टिकाऊ नहीं रहा और सड़क फिर से खराब हो गई।

रगड़ी में महाविद्यालय के लिए भूमि का प्रस्ताव शासन को भेजा

नई टिहरी। भिलंग पट्टी क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। रगड़ी (सांकरी) में राजकीय महाविद्यालय खोलने की प्रक्रिया तेज हो गई है और इसके लिए 1.963 हेक्टेयर भूमि चिह्नित कर शासन को प्रस्ताव भेज दिया गया है।

साथ ही प्रयास है कि नए शिक्षण सत्र से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत प्रवेश प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाए। भिलंगना ब्लॉक में उच्च शिक्षा के सीमित विकल्पों के कारण छात्र–छात्राओं को लंबे समय से परेशानी झेलनी पड़ रही है। वर्तमान में बालगंगा अशासकीय महाविद्यालय, सेंदुल ही एकमात्र संस्थान है, जहां घनसाली और ढुंगमंदार पट्टी के छात्र–छात्राएं दूर–दराज से पढ़ने पहुंचते हैं। संसाधनों की कमी के चलते यहां बीए और बीएससी में सात विषय तथा एमए में केवल तीन विषय ही संचालित हैं। भिलंग पट्टी के 32 से अधिक गांवों में कोई भी सरकारी या निजी महाविद्यालय नहीं होने से छात्रों को नई टिहरी, श्रीनगर या देहरादून जाना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह संभव नहीं हो पाता, जिससे कई छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। क्षेत्र में लंबे समय से महाविद्यालय की मांग की जा रही थी। वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घनसाली विधानसभा क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा की थी, जिसके बाद प्रशासन ने भूमि चयन की प्रक्रिया शुरू की। विधायक शक्ति लाल शाह ने बताया कि चयनित भूमि का उच्च शिक्षा विभाग की समिति द्वारा निरीक्षण कर रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि इसी वर्ष नए सत्र से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कक्षाएं शुरू कराने का प्रयास किया जा रहा है।

नकली जेवर बेचकर सोना ठगने की कोशिश

चमोली। एक आभूषण की दुकान में एक महिला कुछ आभूषणों को चांदी का बताकर उसे बेचकर सोने का सामान लेना चाह रही थी। व्यापारी को आभूषणों के नकली होने का शक हुआ तो उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस महिला को चौकी ले आई और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों ने इसमें कोई बड़ा गिरोह होने की आशंका जताई है। शुक्रवार को नगर के एक आभूषण की दुकान में महिला कुछ आभूषण लेकर आई। महिला ने व्यापारी को बताया कि आभूषण चांदी के हैं और वह उन्हें बेचकर सोने का सामान खरीदना चाहती है। व्यापारी को आभूषणों के नकली होने का शक हुआ तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस महिला को चौकी ले आई। थानाध्यक्ष विनोद थपलियाल ने बताया कि महिला पति के साथ यहां आई है और यह बागपत निवासी है। दोनों यहां क्यों आए हैं इसका पता लगाया जा रहा है। फिलहाल पुलिस पूरी मामले की गहनता से जांच कर रही है।

ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी के बीच लगा एक किमी जाम, दो घंटे फंसे रहे यात्रा वाहन

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी के बीच कमद गांव के पास एक टेंपो ट्रैवलर के खराब होने से करीब दो घंटे तक यात्रा वाहन फंसे रहे। इस दौरान क्षेत्र में बारिश भी हो गई। तीर्थयात्रियों ने अपने वाहनों में बैठकर ही हाईवे खुलने का इंतजार किया। शाम छह बजे हाईवे खुलने पर यात्रियों ने राहत की सांस ली। हालांकि वाहनों की लंबी लाइन और संकरी सड़क होने के कारण देर शाम तक भी यहां वाहनों की आवाजाही सामान्य नहीं हो पाई थी। शुक्रवार को शाम करीब चार बजे कमद गांव के समीप तीर्थयात्रियों को बदरीनाथ से लेकर आ रहा एक टेंपो ट्रैवलर अचानक हाईवे पर ही खराब हो गया जिससे हाईवे के दोनों ओर जाम लग गया। देखते ही देखते करीब एक किलोमीटर तक वाहनों की लाइन लग गई। जहां टेंपो खराब हुआ वहां हाईवे बेहद संकरा और चट्टानी भाग है। शाम पांच बजे मौके पर ज्योतिर्मठ से पुलिस टीम पहुंची और टेंपो को हाईवे से किनारे किया गया। इसके बाद वाहनों को एक–एक कर गंतव्य को भेजा गया। शाम छह बजे तक जाम में फंसे वाहनों को पूरी तरह से निकाला जा सका। थाना प्रभारी देवेंद्र रावत का कहना है कि इस क्षेत्र में चट्टान पर कई पत्थर लटक रहे हैं। बीआरओ के अधिकारियों को पत्थरों को हटाने और सड़क चौड़ीकरण के लिए कहा गया मगर अभी तक हाईवे तंग हालत में है जिससे वाहनों की आवाजाही में दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने बताया कि वाहनों को एक–एक कर निकाला जा रहा है।

विधि विधान से खुले लाटू देवता मंदिर के कपाट

– पुजारी ने आंखों पर पट्टी बांधकर गर्भगृह में प्रवेश किया

चमोली। वाण गांव स्थित सिद्धपीठ लाटू देवता मंदिर के कपाट शुक्रवार दोपहर दो बजे छह माह के लिए श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। पुजारी खेम सिंह ने आंखों पर पट्टी बांधकर गर्भगृह में प्रवेश किया। इसके बाद पूरा क्षेत्र जयकारों से गूंज उठा। इस वर्ष मंदिर समिति और ग्रामीणों ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सदियों पुरानी बलि प्रथा को स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। शुक्रवार को कपाट खुलने से पहले मंदिर में अनुष्ठान और देवनृत्य का आयोजन हुआ। ग्रामीणों ने झोड़ा और चांछड़ी की प्रस्तुति दी। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे और पूजा–अर्चना में भाग लिया। इसके बाद दोपहर दो बजे मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। पंडित उमेश चंद्र कुनियाल और रमेश

चंद्र कुनियाल ने पूजा–अर्चना कराई। मान्यताओं के अनुसा, लाटू देवता को मां नंदा का भाई माना जाता है। हर साल अगस्त–सितंबर माह में श्री नंदा लोकजात यात्रा और हिमालयी महाकुंभ श्री नंदा राजजात यात्रा लाटू देवता की अगुवाई में होती है। इस अवसर पर नैनीताल हाईकोर्ट के न्यायाधीश सुभाष उपाध्याय, विधायक भूपाल राम टम्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत बिष्ट और मंदिर समिति के अध्यक्ष कृष्णा सिंह आदि उपस्थित रहे। पूर्व विधायक डॉ. जीतराम, प्रमुख तेजपाल रावत और प्रधान नंदुली देवी भी मौजूद रहे।

बलि प्रथा पर लगाया प्रतिबंधः लाटू देवता मंदिर में पहले बलि प्रथा की परंपरा थी। मगर इस बार वाण के ग्रामीणों और मंदिर समिति ने बैठक कर इस प्रथा को हमेशा के लिए प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया। समिति की अपील का असर दिखा और पहली बार मंदिर में कोई बलि नहीं दी गई। यह निर्णय सामाजिक और धार्मिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल की स्थानीय समुदाय ने सराहना की।

मंदिर से जुड़ी अनोखी परंपराएं: वाण लाटू मंदिर आज भी श्रद्धालुओं के लिए रहस्य बना हुआ है क्योंकि मंदिर के अंदर क्या है इसकी जानकारी किसी को नहीं है।

बसें लगीं चारधाम यात्रा में, लोग सड़कों पर

चमोली। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात की सुविधा देने वाली उत्तराखंड परिवहन निगम की कई बस सेवाएं चारधाम यात्रा में लग गई हैं। नौटी, देवाल और नागचुलाखाल की बसें नहीं आने से दूरस्थ गांवों में आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उत्तराखंड परिवहन निगम के हिल डिपो देहरादून से वाया कर्णप्रयाग से होते हुए गैरसैंण क्षेत्र के दूरस्थ क्षेत्र नागचुलाखाल के लिए बस सेवा संचालित होती है। कुमाऊं और पौड़ी जिले की सीमा पर स्थित नागचुलाखाल के कर्णप्रयाग में काफी संख्या में लोग इस बस सेवा से जाते हैं लेकिन यह बस सेवा करीब एक सप्ताह से नहीं आ रही है। वहीं देहरादून से कर्णप्रयाग होते हुए नौटी, देवलकोट तक जाने वाली निगम की एकमात्र बस सेवा है। यह बस भी चारधाम यात्रा में लग गई है

आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुम्बई में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दोनो ही टीमों को पता है कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उन्हें ये मैच जीतना जरुरी है। ये दोनो ही पांच-पांच बार की खिताब विजेता रही हैं पर इस बार दोनो को ही बेहद खराब हालातों का सामना करना पड़ा है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके इस बार बल्लेबाजी ओर गेंदाबाजी दोनो में ही लय में नहीं है जो उसकी हार का कारण रहा है। वहीं मुम्बई इंडियंस की कहानी भी ऐसी ही है वह अपने स्टार खिलाड़ियों की विफलत से जूझ रही है। मुम्बई के पास सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी हैं पर दोनो ही इस सत्र में विफल रहे हैं।

उसका मध्य क्रम कमजोर है। उसके गेंदबाज भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे। सीएसके को उम्मीद है कि घरेलू मैदान पर उससे स्पिनर सफल रहेंगे। दूसरी ओर मुम्बई इनके खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहेगी।

दोनों की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए कोई भी टीम इस बार पसंदीदा नजर नहीं आती है। यह मुकाबले में हारने वाली टीम का प्लेऑफ का सफर समाप्त हो जाएगा। इसलिए दोनो ही ये मैच जीतने उमरेंगी। सीएसके अंक तालिका में छठे स्थान पर है। उसे आठ मैचों में केवल तीन जीत मिली है। उसकी ओर से अब तक केवल संजू सैमसन ही रन बना पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में अंशुल कम्बोज ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर मुम्बई के भी हाल खरा हैं और वह अंक तालिका में नौवें नंबर पर है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे क्योंकि एक हार से वह प्लेऑफ से बाहर होगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 40 मुकाबले हुए हैं जिसमें मुम्बई ने 21 जबकि सीएसके ने 19 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कम्बोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील होसिन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद.

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिन्ज (विकेटकीपर), डेनिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्वनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष्ण भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

लक्ष्य सेन ने मैच प्वाइंट बचाया, भारत को चीनी ताइपे पर दिलाई बढ़त

होर्सेंस (डेनमार्क)(एजेंसी)। स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने दो मैच प्वाइंट बचाते हुए विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुक्रवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य इस मैच में अधिकतर समय पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटे और 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले से पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच आपस में रिकॉर्ड 4-4 से बराबरी पर था। इस मुकाबले में लंबी रैलियों, सटीक स्ट्रोकप्ले और उतार-चढ़ाव से भरपूर रोमांचक द्वंद्व देखने को मिला। चोउ ने पहला गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीता, लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने दबाव में शानदार वापसी की।

भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर बराबर कर लिया। चोउ को दो मैच प्वाइंट मिले, लेकिन लक्ष्य ने अपना संयम बनाए रखा और दोनों को बचाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में 36 वर्षीय चोउ शारीरिक रूप से कमजोर पड़ते नजर आए और लक्ष्य ने इंटरवल तक 11-7 की बढ़त के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद भी उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और मैच जीतने में सफल रहे। भारत अपनी बढ़त को और मजबूत करने की कोशिश करेगा जब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी का सामना चियू सियांग चिएह और वांग ची-लिन से होगा। अन्य मैचों में आयुष शेट्टी का मुकाबला लिन चुन-यी से होगा। हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी का सामना लियू कुआंग हेंग और यांग पो-ह्सुआन से जबकि किदाम्बी श्रीकांत का सामना ची यू जेन से होगा।

एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहेंगी चानू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। कंधे की चोट के चलते उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। चानू का मुख्य लक्ष्य इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करना है, जिसके लिए वह कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहतीं। उनका यह रणनीतिक निर्णय सुनिश्चित करेगा कि वह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से फिट और तैयार रहें।भारोत्तोलन एक ऐसा खेल है जिसमें शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, और चानू जैसी शीर्ष स्तर की एथलीट के लिए चोट से बचाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली मीराबाई का मानना है कि उनकी शारीरिक स्थिति सर्वोच्च प्राथमिकता है। एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहकर, उन्हें अपनी चोट से पूरी तरह उबरने और आगामी मेगा-इवेंट्स के लिए अपनी शक्ति और तकनीक को निखारने का पर्याप्त समय मिलेगा। यह कदम उनके दीर्घकालिक करियर के लिए भी बुद्धिमानी भरा है, ताकि वह भविष्य में भी भारत के लिए पदक जीतती रहें। मीराबाई चानू का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल होंगे। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।

आईपीएल में इस बार डिकॉक सहित पांच बल्लेबाजों के शतक के बाद भी हारी टीम

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ये सत्र कई मायनों में पिछले सत्रों से अलग नजर आ रह है। इस बार किसी बल्लेबाज का शतक भी जीत की गारंटी नहीं माना जा रहा है क्योंकि पांच बार ऐसा हो गया है जब बल्लेबाज के शतक लगाने के बाद भी उसकी टीम हारी है। इस सत्र में अब तक 41 मैचों में 9 शतक लगे हैं। इसमें हैरान करने वाली बात ये रही है 5 बार ऐसा हुआ जब बल्लेबाज ने शतक लगाया पर टीम को हार का सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस के दो सलामी बल्लेबाजों, क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन, ने पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाए पर दोनो बार ही टीम को हार मिली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 152 रन बनाए पर इसके बाद भी पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम को हार मिली। गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ एक शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। ,वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया पर इसके बाद भी टीम हार गयी।

दूसरी ओर चार बल्लेबाजों के शतकों से उनकी टीम को जीत मिली है। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने इस सीजन में दो शतक दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगाये और दोनों ही अवसरों पर सीएसके जीती है। मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस प्रकार कुल 9 शतकों में से केवल 4 शतक ही टीम को जीत दिला पाये। इसस साफ है कि आईपीएल में केवल एक बल्लेबाज का शतक ही जीत के लिए पर्याप्त नहीं है। जीत के लिए सभी को बेहतर प्रदर्शन करने की जरुरत है। जीत के लिए पूरी टीम को एक ईकाई की तरह खेलते हुए हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

बीसीसीआई ने आईपीएल प्लेयर इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के लिए वैभव सहित 25 खिलाड़ियों का नामांकन किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के नामांकन की सूची जारी की है। बोर्ड ने सभी 10 टीमों में से ऐसे 25 खिलाड़ियों का चयन किया है, जो इस अवॉर्ड के दावेदार हैं। इसके लिए वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, समीर रिजवी, मुकुल चौधरी और प्रियांश आर्या से लेकर सलिल अरोड़ा जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ये अवॉर्ड उस खिलाड़ी को मिलेगा जिसने सत्र में सबसे अधिक बेहतर प्रदर्शन किया हो। इसके साथ ही उसमें भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने की संभावना हो। ये अवॉर्ड केवल अनकैप्ड खिलाड़ी को ही दिया जाएगा। वहीं उस खिलाड़ी का जन्म भी एक अप्रैल 2000 के बाद हुआ होना चाहिये। पहले किसी सत्र में इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड नहीं जीता हो। इसमें पब्लिक वोट के अलावा टीवी कमेंटेटर्स की पसंद भी चयन के लिए पूछी जाती है।

शुभमन ने दिया विराट के आक्रामक जश्न का जवाब

अहमदाबाद । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली जब मैदान पर उतरते हैं और अपने जोश और जुनून के साथ ही विरोधी टीम पर दबाव बनाने का कोई अवसर नहीं छोड़ते। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में भी विराट ने ऐसा ही किया। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल का कैच लेने के बाद कोहली ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। शुभमन भी कहां पीछे रहने वाले थे। मैच जीतने के बाद उन्होंने भी इसका करारा जवाब दिया। जब विराट ने कैच पकड़ा तो उस समय शुभमन 18 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाकर खेल रहे थे। उनकी इस पारी से गुजरात की टीम जीत के लिए मिले लक्ष्य को हसिल करने में सफल रही। इसी कारण उसने आरसीबी को मैच में 4 विकेट से हरा दिया। मैच में आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद शुभमन ने एक ऐसी पोस्ट साझा की जो देखते ही देखते वायरल हो गई। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में शुभमन ने मैच की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें से एक में कोहली भी नजर आ रहे थे। इसमें जो शब्द प्ले बोल्ड है वो विराट के जश्न का जवाब माने गए, क्योंकि प्ले बोल्ड आरसीबी का ही नारा है और गिल ने इसे इस्तेमाल कर अपने जवाब को और तीखा बना दिया।

क्लासेन को एकदिवसीय विश्वकप के लिए शामिल करे दक्षिण अफ्रीका : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन की जमकर प्रशंसा की है। पीटरसन ने कहा है कि जिस प्रकार से क्लासेन खेल रहे हैं। उसको देखते हुए दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड को उन्हें संन्यास से वापसी करने को कहना चाहिये। इसके साथ ही साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी टीम में शामिल करना चाहिये। पीटरसन इंग्लैंड टीम में शामिल होने से पहले दक्षिणा अफ्रीकी मूल के क्रिकेटर रहे हैं। उनका मानना है जिस प्रकार की आक्रामक बल्लेबाजी क्लासेन करते हैं। उससे वह दक्षिण अफ्रीकी टीम को एकदिवसीय खिताब जिताने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। क्लासने ने जिस प्रकार से मुबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में केवल 30 गेंदों में नाबाद 65 रनों की आक्रामक पारी खेली उससे भी पीटरसन बेहद प्रभावित हैं। उनकी इस पारी में 7 शानदार चौके और 4 छक्के लगाये थे। क्लासेन इस सत्र में मध्यक्रम में सबसे आक्रामक बल्लेबाज बनकर सामने आये हैं। उन्होंने अब तक 9 पारियों में कुल 414 रन बनाए हैं, उनका औसत 59.14 जबकि स्ट्राइक रेट 157.41 का रहा है। पीटरसन ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने भी क्लासेन के प्रदर्शन की सराहतना की है। उन्होंने कहा कि मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए भी क्लासेन ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के साथ रन और स्ट्राइक रेट में मुकाबला किया है। जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है।

व्यक्तिगत उपलब्धियों की बजाय टीम के लक्ष्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करता हूं: भुवनेश्वर

अहमदाबाद(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वह अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उनके लिए टीम की सफलता व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण है। यह 36 वर्षीय तेज गेंदबाज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज है और इस कारण उनके पास पर्पल कैप है। उन्होंने आरसीबी की तरफ से गुजरात टाइटंस के खिलाफ 28 रन देकर तीन विकेट लिए। उनकी टीम को हालांकि इस मैच में हार का सामना करना पड़ा।

भुवनेश्वर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पर्पल कैप मिलना अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस दौर से आगे निकल चुका हूं जहां मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ हासिल करना चाहता था। निश्चित रूप से मैं कुछ हासिल करना चाहता हूं। लेकिन अब यह टीम से जुड़ा हुआ है। अब मैं युवा नहीं हूं। जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना चाहते हैं और यह अच्छा प्रदर्शन करने पर ही आपको मिलते हैं।'

भुवनेश्वर ने कहा, 'लेकिन जब आप टीम के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करते हैं और तब आपको कोई व्यक्तिगत पुरस्कार या इनाम मिलता है, तो अच्छा लगता है। लेकिन सच कहूं तो मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं। टीम प्रबंधन ने मेरा हौसला बढ़ाया है।'

RCB की टीम का लक्ष्य का पीछा करने में अच्छा रिकॉर्ड रहा है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसे पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी और उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई। भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि इस सत्र में सभी मैदानों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर आप इस बार IPL को देखें तो किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो गया है। हमने टॉस नहीं जीता। हमें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया था। हमने गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की। अब नतीजा यह है कि हम हार गए।'

भुवनेश्वर ने आगे कहा, 'हम रन बचाकर मैच नहीं जीत सकते थे। हम विकेट लेकर जीत सकते थे और जिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वे विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे। आप हर मैच में हर विभाग में परफेक्ट नहीं हो सकते। हमने पूरे टूर्नामेंट में अब तक अच्छी बल्लेबाजी की थी।'

गुजरात टाइटंस की तरफ से वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने 29 रन देकर दो विकेट लेने के अलावा तीन कैच भी लिए। उन्होंने 12 रन भी बनाए और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, 'जब हम नीलामी में जेसन को अपनी टीम में शामिल करने की कोशिश कर रहे थे तो हमारा मकसद यही था कि वह बल्ले और गेंद दोनों की भूमिका निभा सके। उन्होंने पिछले कुछ समय में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है।'

आरसीबी पर जीत से गुजरात को दो अंकों का लाभ, तालिका में पांचवें स्थान पर बरकरार

मुम्बई । गुजरात टाइटंस टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले के बाद अंक तालिका में कोई बदलाव नहीं आया है और सभी टीमें अपने ही स्थानों पर हैं। केवल गुजरात को 2 अंक का लाभ हुआ है। वहीं आरसीबी के हाथ से हार के कारण अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर पहुंचने का अवसर निकल गया। इस मैच के परिणाम के बाद भी अंकतालिका में सभी टीमें अपनी-अपनी जगह पर बनी हुई हैं। अभी अंक तालिका में पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ ही शीर्ष पर है। पंजाब ने 8 मैचों में 6 जीत और 1 मैच बारिश के कारण बाधित होने के कारण नहीं हो पाने के बाद भी 13 अंक लेकर नंबर एक पर ही है। वहीं आरसीबी 9 मैचों में 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंकों पर दूसरे स्थान पर है। वहीं तीसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है, जिसके 9 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हैं। वहीं, चौथे पायदान पर राजस्थान रॉयल्स है, जिसने 9 में से 6 मुकाबले जीतकर 12 अंक हासिल किए हैं। पर उनका 0.617 का नेट रन रेट अन्य टीम से कम है। वहीं गुजरात टाइटन्स ने बेंगलुरु के खिलाफ अपनी जीत के साथ 9 मैचों में 5 जीत और 4 हार के साथ 10 अंक हासिल कर लिए हैं और वह शीर्ष 5 में अपनी जगह बनाए रखने वाली पांचवीं टीम बन गई है। इस जीत से उसका रन रेट भी बेहतर हुआ है। छठे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स है, उसने 8 मैचों में 3 जीत और 5 हार के साथ 6 अंक हासिल कर पाई है।

कमेंट्री बॉक्स में महिला कमेंटेटर को चूमने के कारण विवादों में आये रमीज राजा

लाहौर । पाकिस्तान में जारी सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में कमेंट्री कर रहे पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज राजा विवादों में आ गये हैं। रमीज लीग में कमेंट्री के लिए आई ऑस्ट्रेलिया की पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्टालेकर को गले लगाते और किस करते हुए दिखे। उनका एक वीडियो भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस घटना के बाद से ही क्रिकेट प्रशंसकों ने रमीज पर हमला बोला है। वीडियो में इस घटना के पीछे का पूरा कारण या बातचीत स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई है। जिससे ये अंदाज नहीं हुआ है कि रमीज ने ऐसा क्यों किया हालांकि वायरल क्लिप में रमीज लिसा को गले लगाते और फिर उनके गाल पर किस करते हुए नजर आये। इस क्लिप के सामने आते ही उनपर हमला शुरु हो गया। कुछ लोगों द्वारा उनके आचरण पर उठाये गये। वहीं कई ने कहा कि इस प्रकार का व्यवहार उन्हें नहीं करना चाहिये था। कई यूजर्स ने इसे अनावश्यक करार दिया, जबकि कुछ ने इसे सिर्फ एक दोस्ताना भाव बताया। 46 वर्षीय लिसा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर रही हैं। पूरे टूर्नामेंट के दौरान पहले भी रमीज विवादों में रहे हैं। एक बार कमेंट्री के दौरान उन्होंने गलती से कैच ऑफ द आईपीएल कह दिया था, हालांकि उन्होंने तुरंत अपनी गलती सुधारी और कमेंट्री को जारी रखा। इसके अलावा, एक मैच में टॉस से ठीक पहले दो मस्कट्स की आपस में लड़ाई का एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था।

दो श्रीलंकाई अंडर-19 क्रिकेटर महिलाओं का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार

कोलंबो । श्रीलंकाई अंडर-19 क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ियों को कोलंबो के एक होटल में महिलाओं के निजी पलों का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस शर्मनाक मामले के सामने आने के बाद से श्रीलंकाई बोर्ड भी सकते में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला नराहेंपिटा स्थित एक होटल का है जहाँ ये खिलाड़ी ठहरे हुए थे। इसी होटल में रुकी कुछ महिलाओं ने शिकायत की कि जब वे अपने बाथरूम में थीं, तब मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर उनका वीडियो बनाया जा रहा था। इस शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपी खिलाड़ियों को हिरासत में ले लिया गया हालांकि बाद में, दोनों खिलाड़ियों को 500,000 श्रीलंकाई रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई। नराहेंपिटा पुलिस जांच कर रही है कि क्या इन वीडियो को ऑनलाइन साझा किया गया था। अगर ऐसा हुआ तो ये मालमा और भी बढ़ा हो जाएगा। खिलाड़ियों को पहली सुनवाई के लिए अलुथकाडे मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था और उन्हें 25 मई को दोबारा अदालत में हाजिर होना है।

वहीं इस मामले में अभी तक श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बोर्ड की तरफ से इन दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ अभी तक किसी तरह की कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई भी नहीं की गई है। इसका कारण ये कहा गया है कि बोर्ड में भी बदलाव हो रहे हैं और इसमें पिछले अधिकारियों को हटाकर एक नई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी बनायी गयी है। वही अब इस मामले को देखेगी पर माना जा सकता है इस पूरे मामले पर बोर्ड बेहद कड़ी सजा सुनाएगाहै। अभी खिलाड़ियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं पर इससे क्रिकेट जगत शर्मिंदा महसूस कर रहा है। ऐसे में, अब देखना है कि श्रीलंकाई बोर्ड इन क्रिकेटरों पर क्या कर्रवाई करता है।

इस सीजन के आखिर में टेनिस खिलाड़ी निशिकोरी केई लेंगे संन्यास

टोक्यो (एजेंसी)। ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष और रियो ओलंपिक 2016 के कांस्य पदक विजेता जापान के निशिकोरी केई ने इस सीजन के आखिर में टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा की है। 36 साल के निशिकोरी केई ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम और एक्स पर जापानी और इंग्लिश में लिखा, 'आज, मैं एक घोषणा कर रहा हूं। मैंने इस सीजन के आखिर में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने का फैसला किया है।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं बच्चा था, तब से मुझे टेनिस का जुनून रहा है और मैंने अपने दिल में सिर्फ़ एक सपना लेकर इसे जारी रखा है' मैं वर्ल्ड 'स्टेज पर मुकाबला करना चाहता हूं। एटीपी टूर तक पहुंचना, सबसे ऊंचे स्तर के मुकाबले में खेलना और टॉप 10 में अपनी मौजूदगी बनाए रखना, ऐसी चीज है जिस पर मुझे बहुत गर्व है। चाहे जीत हो या हार, खचाखच भरे एरीना में मुझे जो खास माहौल महसूस हुआ, उसकी जगह कोई नहीं ले सकता।'

निशिकोरी ने पहली बार पांच साल की उम्र में रैकेट उठाया था, और 13 साल की उम्र में .स. चले गए। उन्होंने फरवरी 2008 में डेलरे बीच ओपन में टूर पर अपना पहला खिताब जीता। जापान के पहले पुरुष खिलाड़ी जो कभी टॉप 10 में पहुंचे, निशिकोरी ने 2014 में यूएस ओपन सेमीफाइनल में उस समय के टॉप रैंक वाले नोवाक जोकोविच को हराया (वह चैंपियनशिप मैच में मारिन सिलिक से हार गए)। रियो में अपने दूसरे ओलंपिक में, निशिकोरी ने कांस्य पदक मुकाबले राफेल नडाल को हराया। हालांकि, निशिकोरी अपने पीक सालों में कई चोटों के कारण एक मुश्किल ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने का मौका चूक गए। अभी उनके करियर में 451 जीत और 12 खिताब हैं।

निशिकोरी ने कहा, 'ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से मैं फ्रस्ट्रेशन और एंग्जायटी से बहुत ज्यादा परेशान हो जाता था, जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था। फिर भी, टेनिस के लिए मेरा प्यार और मेरा यह विश्वास कि मैं एक मज़बूत खिलाड़ी बन सकता हूं, मुझे हमेशा कोर्ट पर वापस लाता था। मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी ज़िंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत शुक्रगुजार हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। सच कहूं तो, मैं अब भी चाहता हूं कि मैं अपना खेल करियर जारी रख सकूं। फिर भी, अब तक की हर बात को पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैंने अपना सब कुछ दिया। मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं।